R.N.I No. : 59665/92 डाक पंजीयन संख्या: SSP/LW/NP/115/2021-2023

भ. महावीर निर्वाणोत्सव दीपावली विशेषांक-01

जैन गज़ट के आगामी विशेषांक

❍ भ. महावीर निर्वाणोत्सव (दीपावली) विशेषांक-02, 24 अक्टूबर 2022

❍ अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी महामस्तकाभिषेक विशेषांक 21 नवम्बर एवं 28 नवम्बर, 2022 के दो अंक।

❍ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज महापारणा विशेषांक 22 एवं 29 जनवरी, 2023 के 2 अंक।

सभी अंकों हेतु प्रकाशनार्थ सामग्री/विज्ञापन सादर आमंत्रित हैं।

विज्ञापन संपर्क : 7880978415, 9415108233, 7505102419

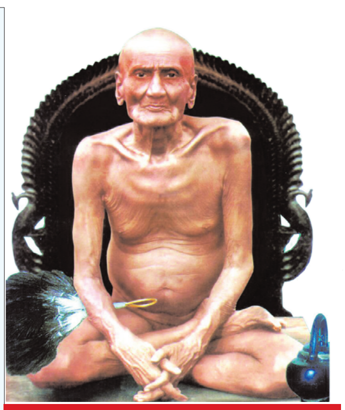

बीसवीं सदी के प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांति सागर जी महाराज

1 दिसम्बर 1895 से प्रकाशित जैन समाज का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक

जैन गज़ट

www.Jaingazette.com

वर्ष 30 अंक 48 कुल पृष्ठ 16 लखनऊ, प्रकाशन तिथि- सोमवार 17 अक्टूबर 2022, वीर नि. संवत् 2548

(JAIN GAZETTE WEEKLY) Unit : Sri Bharatvarshiya Digamber Jain Mahasabha jaingazette2@gmail.com

महावीर निर्वाण कल्याणक

मन से भी, शरीर से भी अतीत हो जाएं

अमावस की कालिमा को पूर्णिमा की चांदनी में बदलने वाले दीपों का यह पर्व महापुरूषों की गौरव-गाथा समेटे हुए हर साल अज्ञान की अमावस्या को, ज्ञान के आलोक द्वारा जीत लेने के संदेश लेकर आता है। इस शुभ दिन तीर्थकर महावीर निर्वाण को प्राप्त हुए। निर्वाण, मन पर विजय है, जिसने मन पर काबू पा लिया उस पर समय के कालचक्र का नुकीलापन प्रभावी नहीं होता।

इसी दिन श्री राम के अयोध्या वापस लौटने की खुशी में घरों की सफाई करते हैं, दीपों से जगमगाते हैं लेकिन मन की अयोध्या की कालिमा पर कोई नजर नहीं। दीपों में रोशनी है पर राम के संबंधों का स्नेह नहीं दिखता। महावीर का संदेश था - सत्य, अहिंसा का आलोक जगाओ, असमानता की कालिमा को धो डालो। जीवन की यथार्थता से साक्षात्कार करने के लिए मन से भी, शरीर से भी अतीत हो जाएं। आसक्ति, काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार जैसे विकारों पर लगाम कसें। यह सभी युग-पुरूष हमें स्वयं से, अपने मन से लड़ने की प्रेरणा देते हैं। बाहरी दुश्मन से क्या लड़ना, स्वयं से लड़ो। जिसने अपने पर विजय पा ली वो अपने-पराए से ऊपर उठ निर्भय हो गया। उसे न सुख के प्रति आशक्ति रहती है, न दुःखों का भय। लेकिन हमने कामनाओं को इतना विस्तार दे दिया कि पूरी उम्र कमाते हैं फिर भी पूरा नहीं पड़ता। हम अंधेरे से और अंधेरे की तरफ जाकर समृद्धि तलाश रहे हैं।

जैन धर्म में लक्ष्मी का अर्थ होता है निर्वाण और सरस्वती का अर्थ होता है केवल ज्ञान। भगवान महावीर को मोक्ष लक्ष्मी की प्राप्ति हुई और गणधर गौतम स्वामी को केवलज्ञान रूपी सरस्वती प्राप्त हुई। दीपावली पर लक्ष्मी-सरस्वती का इसी रूप में पूजन किया जाता है। लक्ष्मी पूजा के नाम पर धन-लक्ष्मी अथवा रूपये-पैसों की पूजा जैन धर्म में स्वीकृत नहीं है। प्रातःकाल जैन मंदिरों में भगवान महावीर स्वामी का निर्वाण उत्सव मनाते समय पूजा में मुख्य रूप से लाडू चढ़ाया जाता है। क्योंकि लाडू का ना ही कोई प्रारंभ होता है न ही कोई अंत। अतएव इसे आत्मा जिसका भी कोई ओर-छोर नहीं है, का प्रतीक माना जाता है।

महावीर और राम जैसा बनना है तो हम मन से शून्य बनें, उसे मांजने के चक्कर में ना पड़ें। मन की अयोध्या, पावापुरी को इतना निर्मल, उज्जवल बना लें कि आदर्श और संस्कार सुगमता और सरलता से स्थापित हो जाएं। माटी के दीयों के पावन पर्व पर सहयोग की भावना में निष्ठा का तेल, शुभकामनाएं और खुशियों की बाती से उपजी ज्योति आपस में बांटें। औपचारिकता की धुंध को चीरकर सच्ची भावना से अपनी, अपने परिवार और समाज की फिर देश और विश्व की सुख समृद्धि की कामना करते रहें। यदि कुछ पाने की इच्छा है तो कुछ का त्याग करो। त्याग से जो प्राप्त होगा वह स्थिर रहेगा। यदि आकांक्षा सब कुछ पाने की है तो सब कुछ त्यागना भी पड़ेगा, तभी कुछ ऐसा मिलेगा जिसकी कल्पना भी नहीं होगी। महावीर की तरह महा-मानव और श्रीराम की तरह मर्यादा-पुरूषोत्तम बन जाएंगे। बशर्ते त्याग मन से हो, मन के किसी भी कोने में हल्की-सी भी चाह न रहे।

डॉ. निर्मल जैन (जज)

हमें सिखाती दीवाली

मर्यादा में रहना, प्रेम से बोलना,
हमें सिखाती दिवाली।
बड़ों का सम्मान करना,
हमें सिखाती दिवाली।।
झगड़ों से दूर मित्रता बढ़ाना,
हमें सिखाती दिवाली।
पशु-पक्षियों की सेवा करना,
हमें सिखाती दिवाली।।
अहिंसा के मार्ग पर चलना,
हमें सिखाती दिवाली।
परोपकार की भावना रखना,
हमें सिखाती दिवाली।।
निर्धनों की सहायता करना,
हमें सिखाती दिवाली।
मेहनत करना, खुश रहना,
हमें सिखाती दिवाली।।
प्रकृति से प्रेम करना, सुख-चेन से
रहना, हमें सिखाती दिवाली।
''उत्सव जैन'' कहता,
ज्ञान के दीप जला
क्योंकि हमें यही सिखाती दिवाली।।

- कवि उत्सव जैन, बांसवाड़ा

Vayudoot Group
लाः नेमचन्द जुगल किशोर जैन तीर्थ यात्रा संघ

Vayudoot WORLD TRAVELS INDIA PVT. LTD
Vayudoot DESTINATION WEDDINGS & EVENTS
Vayudoot GROCERIES
Vayudoot CATERERS

वायुदूत की सुप्रसिद्ध शुद्ध स्वादिष्ट किचन वाली जैन भोजन सुविधा

WORLD TRAVELS DESTINATION WEDDINGS GROCERIES CATERING

+91 9313338256, 9810408256, 9818312056

अति प्राचीन मनोरथ पूर्ण 1008 श्री मुनिसुव्रतनाथ अतिशय क्षेत्र, प्रभुसर हस्तेड़ा जयपुर

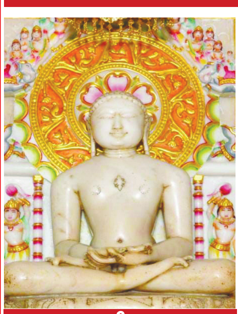

869 साल प्राचीन मूलनायक श्री मुनिसुव्रतनाथ प्रतिमा

शांतिधारा का प्रसारण

LIVE

आरती : 7:15 - 7:45 AM

शांतिधारा : 8:30 AM

@jainmandirhasteda

नामांकित शांतिधारा पुण्यार्जन के लिए संपर्क करें:

अमित शर्मा (Manager)-9783016885

नामांकित शांतिधारा के लिए किसी भी राशि का आग्रह नहीं है।

हस्तेड़ा जैन मंदिर दूरी-दिल्ली से 250 किमी.एवं जयपुर से 65 किमी.

संपर्क सूत्रः

नितिन कुमार पाटनी (मंत्री) 9001255955

मनीष जी गंगवाल (कोषाध्यक्ष) 095880-20330

JK® MASALE SINCE 1957

श्री महावीरजी में

वात्सल्यवारिधि 108 आचार्य वर्धमानसागर जी महाराज के सानिध्य में 24 नवम्बर से 4 दिसम्बर तक होने वाला पंचकल्याणक महोत्सव व महामस्तकाभिषेक विश्व के लिए मंगलकारी हो। 108 आचार्य वर्धमानसागर जी महाराज व समस्त मुनि संघ के चरणों में हमारा शत शत नमन।

नमनकर्ताः धन्नालाल भागचन्द काला

शुद्ध खाओ स्वस्थ रहो... Buy online at JK Cart.com

Shudh khao Swasth Raho

समस्या समाधान - रवि जैन गुरूजी

प्रश्न 1. गुरूजी प्रणाम, मेरी बेटी की उम्र मात्र 14 वर्ष है, मगर वह अपनी उम्र से बड़ी बातें करती है इस कारण मुझे चिंता हो रही है - मोनिका, सूरत

__उत्तर__ - मोनिका जी, आपकी बेटी की कुंडली में सूर्य उच्च व शुक्र स्वतः ही विराजमान है इसलिये ऐसा होता है इसमें चिंता करने की कोई बात नहीं है।

प्रश्न 2. रात को नींद नहीं आती, मन भी परेशान रहता है। निगेटिव विचार ज्यादा आते हैं, क्या उपाय करें - निर्मला जैन, दमोह (मध्य प्रदेश)

__उत्तर__ - आपकी कुंडली में ग्रह चन्द्रमा कृष्णा पक्ष का होने के कारण कमजोर है अतः शाम को श्री चन्द्रप्रभु चालीसा पढ़ें व चांदी का छल्ला धारण करें।

प्रश्न 3. गुरूजी नमस्ते, मुझे आग से बहुत डर लगता है। रसोई घर में जलती हुयी आग को मैं नहीं देख सकता, कोई उपाय बतायें - सोमेश शर्मा, अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश)

__उत्तर__ - सोमेश जी, आपकी कुंडली में नीच का मंगल इसका कारण है। आप जल्द मूंगा रत्न धारण करें।

प्रश्न 4. गुरूजी, पुत्री की शादी का योग कब है? पिछले 6 साल से प्रयासरत् हैं - नंदिनी, नारनौल (हरियाणा)

__उत्तर__ - अच्छी क्वालिटी का ओपाल रत्न चांदी में सीधे हाथ की अनामिका अंगुली में शुक्रवार को धारण करायें। साथ ही श्री आदिनाथ जी का चालीसा पढ़ने के लिये कहें, जल्द योग आ रहा है।

प्रश्न 5. मेरे पति हमेशा नशे में रहते हैं। मना करने के बाद भी शराब बहुत पीते हैं। काफी समय से परेशान हूं - कांती देवी, मुज्फ्फरनगर (यू.पी.)

__उत्तर__ - आप अपने पति की राहु की शान्ति करायें क्योंकि राहु ग्रह के कारण ही व्यक्ति नशे की तरफजाता है। साथ ही मोर पंख कमरे में लगायें।

प्रश्न 6. गुरूजी जय जिनेन्द्र, क्या कभी मेरी सरकारी नौकरी लगेगी? मेरा मन सरकारी नौकरी करने का है - सूरजमल, रामपुर (यू.पी.)

__उत्तर__ - सूरजमल जी, आपको सरकारी नौकरी के लिये प्रयास करते रहना चाहिये। 6 माह पश्चात् बहुत अच्छा योग आ रहा है, तब तक रोजाना श्री भक्तामर जी का 36वां काव्य 9 बार पढ़ो।

प्रश्न 7. हर समय पत्नी से विरोधाभास रहता है। अपने मन को काफी समझाता हूं मगर कोई लाभ नहीं दिखायी देता - अनमोल, दिल्ली

__उत्तर__ - अनमोल जी, आप अपने शयन कक्ष में गुलाबी रंग का प्रयोग करें। अवश्य लाभ होगा।

प्रश्न 8. नौकरी में प्रमोशन नहीं हो रहा है। काफी प्रयास कर चुका हूं - रायचन्द जैन, लोनी

__उत्तर__ - श्री भक्तामर जी का 28वां श्लोक नौकरी में प्रमोशन दिलाने वाला होता है। अतः आप रोजाना श्री भक्तामर जी का 28वां श्लोक की माला रोजाना सुबह घर पर हल्की आवाज में फेरें।

आप अपनी समस्या इस पते पर भेजें: रवि जैन गुरूजी, विख्यात् जैन ज्योतिषाचार्य, हस्तरेखा एवं कुंडली मिलान विशेषज्ञ, संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय जैन ज्योतिषाचार्य परिषद् (पंजी.) 1/6991, शिवाजी पार्क, शाहदरा, दिल्ली-32 फोन 011-22325069, 9990402062 (व्हाट्सअप)

भगवान महावीर निर्वाणोत्सव (दीपावली) तथा धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों के अवसर पर जैन गजट को सहायता राशि भेजना न भूलें संपर्क- 7607921391, 9415108233

वैवाहिक विज्ञापन

वधु चाहिए

अंकुश जैन, पुत्र श्री जीवनलाल पटवारी, शिक्षा-एम.ए., बी.एड., जन्मतिथि-16.02.1991, रात्रि 9.15, स्वयं का गोत्र-लवैंचू, मामा का गोत्र-पद्मावती पोरवाल, जैन इण्टर कॉलेज करहल (मैनपुरी) उ.प्र. में लिपिक पद पर कार्यरत् हेतु सुन्दर, सुशील, गृहकार्य में दक्ष कन्या चाहिए। दो छोटे भाई अविवाहित। पिता का स्वयं का व्यापार है।

सम्पर्क सूत्र - 8791849001, 9027588651, 9761612394

विज्ञा वाणी

रोने पर तो आँसू भी पराये हो जाते हैं लेकिन मुस्कुराने से पराये भी अपने हो जाते हैं।

वर्तमान में आर्यिकारत्न 105 विज्ञाश्री माताजी ससंघ निवाई शहर (टोंक) में पावन चातुर्मास - 2022, की धर्म की भव्य प्रभावना बढ़ा रहीं हैं।

: नमनकर्ता :
सुमेरचंद-ऊषा
(रांवका)
बनीपार्क, जयपुर
(राज.)

TATA PLAY Channel No. 1086 | dishtv Channel No. 1109 | DEN Channel No. 266
आदिनाथ टी वी
एवं अन्य सभी टीवी केबल पर उपलब्ध
Channel No. 1217 d2h | Channel No. 700 airtel | Channel No. 842 hathway

आज का राशिफल

जैन ज्योतिषाचार्य
रवि जैन गुरूजी
द्वारा आदिनाथ चैनल पर प्रतिदिन
प्रातः 06:20 बजे
दोपहर 02:15 बजे

संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष
अखिल भारतीय जैन ज्योतिषाचार्य परिषद् (पंजी.)
विवाह, मकान, व्यापार, संतान, प्रमोशन, परीक्षा, विदेश यात्रा आदि समस्याओं का समाधान जैन आगम के अनुसार प्राप्त करने के लिए सम्पर्क करें :
1/6991, शिवाजी पार्क, शाहदरा, दिल्ली - 32
M. 011 22325069, 9990402062, 8826755078

भगवान महावीर निर्वाणोत्सव दीपावली मंगलमय हो

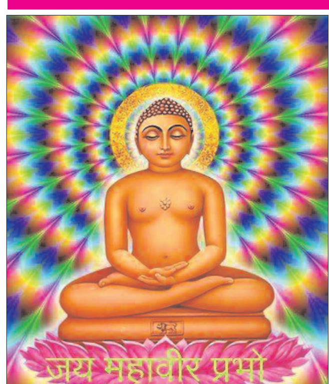

सुरेश कुमार-ललिता देवी बाकलीवाल,
अमित कुमार- स्नेहा देवी बाकलीवाल
कैयरा, जेस्वी, शारव बाकलीवाल

सुरेश कुमार जैन एण्ड कंपनी

तरूण राम फुकन रोड, फैन्सी बाजार, गुवाहाटी-781001

आवश्यकता

झारखण्ड सरकार द्वारा देय विहित वेतनमान पर गणित (भौतिकी विषय के साथ) विषय के सहायक शिक्षक की आवश्यकता है। न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 50 प्रतिशत अंकों के साथ संबंधित विषय में स्नातक एवं बी.एड. होना अनिवार्य है। झारखण्ड सरकार द्वारा निर्धारित उम्र सीमा मान्य होगी। अपना आवेदन समस्त प्रमाण-पत्रों की स्व-अभिप्रमाणित छायाप्रति एवं 2000/- (दो हजार रूपये मात्र लौटाने योग्य नहीं के) डिमांड ड्रफ्ट जो पी.एन.डी. जैन उच्च विद्यालय के नाम से इसरी बाजार में भुगतेय हो, के साथ दिनांक 31.10.2022 तक निम्न पता - पी.एन.डी. जैन उच्च विद्यालय इसरी बाजार, गिरिडीह, पिन नं. 825167 पर पंजीकृत डाक से या स्वयं आकर विद्यालय में हस्तगत करा सकते है। लिखित परीक्षा की तिथि - 20/11/2022, समय - पूर्वाह्न 10.00 बजे विद्यालय में होगी। यात्रा भात्ता देय नहीं होगा। -सचिव पी.एन.डी. जैन उच्च विद्यालय, इसरी बाजार, गिरिडीह।

*जैन गजट की सदस्यता, विज्ञापन या सहयोग राशि 'जैन गजट के पक्ष में'
पंजाब नेशनल बैंक, राजेन्द्र नगर ब्रान्च, लखनऊ- 226004
(उ. प्र.) सेविंग अकाउण्ट 2405000100102500
IFSC - PUNB 0185600 नकद/अकाउण्ट में जमा (डिपोजिट स्लिप सहित) मनीऑर्डर/चेक/ड्राफ्ट/ऑनलाईन
(स्क्रीन शॉट सहित) सदस्यता/विज्ञापन हेतु भेजें-
श्री नन्दीश्वर फ्लोर मिल्स कम्पाउण्ड, मिल रोड, ऐशबाग, लखनऊ-226004 (उ. प्र.) मो. 7607921391, 9415108233, 7880978415, 7505102419, 9369025668, 9161045555*

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा
जैन गजट सम्पादक मंडल

अध्यक्ष
गजराज जैन गंगवाल
मो. 09810900009

कार्याध्यक्ष
रमेश जैन तिजारिया
मोबा. 08290950000

महामंत्री
प्रकाशचंद्र जैन बड़जात्या
Mob- 09840213132
Email- chennai@shriniwasa.com

कोषाध्यक्ष
पवन गोधा
मो. 9311198985

सम्पादक
कपूरचन्द जैन (पाटनी)
मो. 09864118950, 0 9854050969
Email- k.c.jain39@gmail.com

परामर्शक सदस्य
शिवचरणलाल जैन, मैनपुरी
मो. 09219160350
सुरेश जैन 'सरल', जबलपुर
मो. 09425412374
बसन्त कुमार शास्त्री, शिवाड़
मो. 08107581334

सह सम्पादक (मानद)
डॉ. श्री महावीर शास्त्री, सोलापुर
मो. 09422457582
राजेन्द्र जैन 'महावीर' सनावद
मो. 9407492577
सुनील 'संचय' ललितपुर
मो. 9793821108

प्रकाशक एवं प्रबंध सम्पादक
सुधेश कुमार जैन, लखनऊ
मो. 09415108233
नन्दीश्वर फ्लोर मिल्स कम्पाउण्ड,
ऐशबाग, लखनऊ- 226004 (उ0प्र0)
jaingazette2@gmail.com
dmahasabha@yahoo.com

लखनऊ प्रधान कार्यालय प्रबंधक एवं जैन गजट शिकायत
सुभाष गुप्ता
मोबा. 09415008344

दिल्ली मुख्य कार्यालय प्रबंधक
स्वराज जैन
मोबा. 09899614433
श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा, 5, राजा बाजार, खण्डेलवाल जैन मंदिर कॉम्प्लेक्स, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली -1
011-23344668, 23344669,
digjainmahasabha@gmail.com
www.digjainmahasabha.org

जैन गजट की सदस्यता
वार्षिक (एक वर्ष) रू. 300
आजीवन (दस वर्ष) रू. 2100
निर्धारित रियायती साधारण डाक से
कोरियर से मंगाने पर
अतिरिक्त शुल्क- दिल्ली, उ.प्र.
रू. 1000 अन्य प्रदेश रू. 1500

'जैन गजट' में विज्ञापन
देने हेतु सम्पर्क- 7607921391, 7880978415, 9415108233
जैन गजट में प्रकाशनार्थ लेख, फोटो, समाचार, विज्ञापन आप ईमेल
jaingazette2@gmail.com
पर भेजें

हार्दिक शुभकामनाओं सहित...
SANTOSH JAIN & ASSOCIATES
SWATI VINIMAY & CONSULTANCY PVT. LTD.
ANAMICA TRADERS PVT. LTD.
L. N. FINANCE PVT. LTD.

सी. ए. (डॉ.) संतोष काला | श्रीमती सरिता काला | संदीप-स्वाति पाटनी | श्रेयांस काला

OFFICE :
CITY TRADE CENTER,
PNB Building, 4th Floor, A. T. Road, Guwahati-781 001
M.: 94350-48488 (O) / 97060-48488 (R) / 99574-97927

RESIDENCE : 401/501, Abhinandan Appartment, 4th Floor, H. S. Road, Chhatribari, Guwahati-781 008
E-mail: casantoshkala@gmail.com

SHREE COMPLEX & SHREEMAN COMPLEX, P. O. BIJOYNAGAR-781122, DIST-KAMRUP (ASSAM)

भगवान महावीर के 2549वें निर्वाणोत्सव (दीपावली) पर विशेष

पहले से अधिक प्रासंगिक हैं भगवान महावीर की शिक्षाएं

- डॉ. सुनील जैन संचय, ललितपुर, सह सम्पादक जैन गजट

भगवान महावीर स्वामी का 2549वां निर्वाणोत्सव देश-विदेश में श्रद्धा पूर्वक धूमधाम से मनाया जा रहा है। वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी के अहिंसा, शांति, सद्भावना, अपरिग्रह, स्याद्वाद-अनेकांत के दर्शन की तत्कालीन समय में जितनी आवश्यकता थी उससे अधिक आवश्यकता और प्रासंगिकता मौजूदा समय में है। भगवान महावीर जैन धर्म के वर्तमानकालीन 24वें तीर्थंकर हैं। कार्तिक कृष्ण अमावस्या के दिन भगवान महावीर ने मोक्ष को प्राप्त किया था। वहीं इसी दिन संध्याकाल में उनके प्रमुख शिष्य गणधर गौतम स्वामी को केवलज्ञान की प्राप्ति हुयी थी। जैन धर्म के लिए यह महा पर्व विशेष रूप से त्याग और तपस्या के तौर पर मनाया जाता है। इसलिए इस दिन जैन धर्मावलंबी भगवान महावीर की विशेष पूजा करके प्रातः बेला में निर्वाण लाडू चढ़ाकर स्वयं उन जैसा बनने की भावना भाते हैं। दीवाली यानी महावीर के निर्वाणोत्सव वाले दिन पूरे देश के जैन मंदिरों में विशेष पूजा, निर्वाण लाडू महोत्सव का आयोजन भव्य रूप से किया जाता है। गोधूलि बेला में अपने-अपने घरों में महावीर भगवान की विशेष पूजन के साथ दीप जलाते हैं।

भगवान महावीर द्वारा प्रतिपादित संयम आधारित जैन जीवन शैली कोरोना महामारी के समय में लोगों के बचाव में अधिक कारगर साबित हुई। भगवान महावीर के बताये हुये मार्ग पर चलने से हम स्वस्थ, समृद्ध एवं सुखी समाज की संरचना कर सकते हैं। परमाणु खतरों और आतंकवाद से जूझ रही दुनिया को भगवान महावीर के अहिंसा और शांति के दर्शन से ही बचाया जा सकता है।

दीपमालिकायें केवलज्ञान की प्रतीक : दीप मालिकायें केवलज्ञान की प्रतीक हैं। सच्चे ज्ञान की प्राप्ति हो, अंधकार का नाश हो, इस भावना से दीप मालायें जलाने की परम्परा रही है। दीपावली के पूर्व कार्तिक त्रयोदशी के दिन भगवान महावीर ने बाह्य समवसरण लक्ष्मी का त्याग कर मन- वचन- काय का निरोध किया। वीर प्रभु के योगों के निरोध से त्रयोदशी धन्य हो उठी, इसीलिए यह तिथि 'धन्य तेरस' के नाम से विख्यात हुई, इसे आज अधिकांश लोग 'धनतेरस' के रूप में जानते हैं।

रूढ़ियों, कुरीतियों और भ्रम से निकलें : आज दीवाली के साथ जैन समाज में अनेक रूढ़ियां प्रवेश कर गयी हैं। हम सभी रूढ़ियों,

कुरीतियों और भ्रम से उस पार जाकर सत्य की पहचान करें और सत्य के प्रकाश से अपने को प्रकाशित करें तभी महावीर स्वामी का निर्वाण महोत्सव, गौतम गणधर का केवलज्ञान कल्याणक सार्थक होगा तथा हम सभी के द्वारा की जाने वाली पूजन, भक्ति, अभिषेक, शांतिधारा, अर्चना भी सफल होगी।

अंतःकरण प्रकाशित करें : यह पर्व हमें प्रेरणा देता है कि हम बाहरी प्रकाश के साथ-साथ अंतःकरण प्रकाशित करें। अपने आचरण, व्यवहार, वात्सल्य, सहकार, सौहार्द को परस्पर में बांटकर स्व-पर जीवन को भी मधुर बनाएं। प्रेम, करूणा, भाईचारे के दीपक जलाकर सभी में अपनत्व का संचार करें।

प्राणियों तथा पर्यावरण की रक्षा करें : भगवान महावीर ने संयम आधारित जीवन शैली की बात की, व्यक्तिगत् भोग और उपभोग के सीमाकरण की बात की, उन्होंने कहा पदार्थ सीमित है, वो असीम इच्छाओं की पूर्ति नहीं कर सकते। आज इस भागदौड़ भरी जिन्दगी में हमें भगवान महावीर के उपदेशों पर चलते हुए भ्रष्टाचार मिटाने की कोशिश करनी चाहिए तथा सत्य व अहिंसा का मार्ग चुनकर दीपावली पर पटाखों, आतिशबाजी का त्याग करके जीव-जंतुओं, प्राणियों तथा पर्यावरण की रक्षा करनी चाहिए। यदि हम यह कर सके तो सही मायनों में भगवान महावीर के निर्वाणोत्सव मनाने की सार्थकता सिद्ध कर सकेंगे। भगवान महावीर का मार्गदर्शन, उनके सिद्धान्त पर्यावरण की शुद्धि के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। कोरोना महामारी के समय में भगवान महावीर का जैन दर्शन एवं शिक्षाओं की ओर समूची दुनिया का ध्यान आकृष्ट हुआ है। भगवान महावीर की शिक्षाएं आर्थिक असमानता को कम करने की आवश्यकता के अनुरूप हैं।

पहले से अधिक प्रासंगिक महावीर के विचार – भगवान महावीर के उपदेश आज पहले से अधिक अत्यंत समीचीन और प्रासंगिक हैं। भगवान महावीर की शिक्षाओं में पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों के समाधान पाए जा सकते हैं। भगवान महावीर ने 'अहिंसा परमो धर्म' का शंखनाद कर 'आत्मवत् सर्व भूतेषु' की भावना को देश और दुनिया में जाग्रत किया। 'जियो और जीने दो' अर्थात् सह-अस्तित्व, अहिंसा एवं अनेकांत का नारा देने वाले महावीर स्वामी के सिद्धांत विश्व की अशांति दूर कर शांति कायम करने में समर्थ हैं।

अनेक समस्याओं का समाधान : आज विश्व के सामने उत्पन्न हो रही सुनामी, ज्वालामुखी जैसी प्राकृतिक आपदाएं, कोरोना महामारी, हिंसा का सर्वत्र होने वाला तांडव, आतंकवाद, भ्रष्टाचार, अनैतिकता, वैमनस्य, युद्ध की स्थितियां, प्रकृति का शोषण आदि समस्याएं विकराल रूप ले रही हैं। ऐसी स्थिति में कोई समाधान हो सकता है तो वह महावीर स्वामी का अहिंसा, अपरिग्रह और समत्व का चिंतन है।

वीर निर्वाण संवत् सबसे प्राचीन : वीर निर्वाण संवत सबसे पुराना है। यह हिजरी, विक्रम ईस्वी, शक आदि से अधिक पुराना है। वीर निर्वाण संवत, विक्रम संवत, शक संवत, शालिवाहन संवत, ईस्वी संवत, गुप्त संवत, हिजरी संवत आदि से भी यह संवत् प्राचीन है। ईसा से 527 वर्ष पूर्व कार्तिक कृष्ण अमावस्या को दीपावली के दिन ही भगवान महावीर का निर्वाण हुआ था। उसके एक दिन बाद कार्तिक शुक्ल एकम से भारतवर्ष का सबसे प्राचीन संवत 'वीर निर्वाण संवत' प्रारंभ हुआ था। जैन ''वीर निर्वाण संवत'' भारत का प्रमाणिक प्राचीन संवत है और इसकी पुष्टि सुप्रसिद्ध पुरातत्ववेता डॉ. गौरीशंकर हीराचंद ओझा द्वारा वर्ष 1912 में अजमेर जिले में बडली गांव (भिनय तहसील, राजस्थान) से प्राप्त ईसा से 443 वर्ष पूर्व के '84 वीर संवत' लिखित एक प्राचीन प्राकृत युक्त ब्राह्मी शिलालेख से की गयी है। यह शिलालेख अजमेर के 'राजपूताना संग्रहालय' में संगृहीत है। प्राचीन व प्रमाणिक 2547वां जैन 'वीर निर्वाण संवत' 16 नवम्बर, 2020 से शुरू होगा। जैन वीर निर्वाण संवत् भारत का प्रमाणिक संवत है। जैन परम्परा में भगवान महावीर स्वामी के निर्वाणोत्सव के अगले दिन से नए वर्ष का शुभारंभ माना जाता है।

यद्यपि युद्ध नहीं कियो,
नाहिं रखे असि-तीर।
परम अहिंसक आचरण,
तदपि बने महावीर।।

अहिंसा के अवतार भगवान महावीर स्वामी के 2549वें निर्वाण-हामहोत्सव की आप सभी को अशेष शुभकामनाएं।

लक्ष्मी माँ उनके घर जाना

- डॉ. निर्मल जैन, नई दिल्ली

वीतरागी का मैं अनुयायी कभी न लक्ष्मी पूजन करता,
आज करूं अनुनय लक्ष्मी से न जाने क्यों मन है करता।
अबके बरस हे लक्ष्मी माता तुम जरूर घर उनके जाना,
सपने में दिखती है रोटी, सुलभ नहीं जिन्हें अन्न का दाना,
पूरा तन जिनका नहीं ढंकता कभी-कभी है चूहा जलता,
नन्हां नहीं भरे किलकारी आंचल नहीं दूध की झारी,
छप्पन भोग वहां सरसाना लक्ष्मी मां उनके घर जाना।
हे सागर पुत्री तुम अबके उन सागर पर नहीं बरसना,
घोटाले कर करके जिनका धर्म बना अपना घर भरना,
स्वेत आवरण धारण करके नित्य कर रहे भ्रष्ट आचरण,
घर भूख मंहगाई डस रही जीवन लील रहा अपमिश्रण,
अबकी देना खुशियां उनको भूल गए हैं जो मुस्काना।
वीतरागी का मैं अनुयायी कभी न लक्ष्मी पूजन करता,
आज करूं अनुनय लक्ष्मी से न जाने क्यों मन है करता।

निर्मल - पुष्पा बिन्दायका
बगरू निवासी कोलकाता प्रवासी
EVER GREEN
be positive get positive
Evergreen Hosiery Industries
Corp. Office : 39, Tara Chand Dutta Street, 2nd Floor
Opp. : Moonlight Cinema, Kolkata - 700 073 (W.B.)
Phone : 033 4001 0686, 91633 91228, 80131 20773
Email : evergreenhosieryindustries@yahoo.com
Website : www.evergreenhosieryindustries.com
Hello Bebe
LITTLE POPS KIDS WEAR
Young India Fashions
Address : 123, Lake Town, Block-B (Near Sagar-Sangam) Kolkata - 700 089
Mobile : 98300 05085, 98302 75490
MAHAVEER SAREE
Address : 446, Abhishek Market, Ring Road, Surat, 395002 (Gujrat)
Mobile : 75750 41434
EVERGREEN CREATION
Address : 507-508, Abhishek Market, Ring Road, Surat, 395002 (Gujrat)
Mobile : 98280 18707, 97279 82406

ज्योति पर्व दीपावली का चिन्तन

पर्व किसी राष्ट्र की सभ्यता और संस्कृति का दर्पण होते हैं। किसी देश की प्रगति का उसके पर्वों में स्पष्ट इंगित होता है। हमारा भारत पर्वों का देश कहलाता है। यहां हर वर्ष अनेक पर्व मनाये जाते हैं - जिसमें सम्मिलित होना प्रत्येक भारतवासी अपना गौरव समझता है। विचारणीय प्रश्न यह है कि हमारे पर्व क्या आज भी उसी मर्यादा, गरिमा तथा पवित्रता के साथ कायम हैं जितने कि आजादी से पूर्व थे?

देश का गौरव कहे जाने वाले पर्व आज क्या बनते जा रहे हैं यह किसी से छिपा नहीं। भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी, आडम्बर, फैशनबाजी, दिखावा, नेतागिरी और धर्म के ठेकेदारों ने आज पवित्र मर्यादित पर्वों की मर्यादा को छिन्न-भिन्न करके रख दिया है। पर्व जोर-शोर से अवश्य मनाये जाते हैं, किन्तु बिल्कुल बेजान, नीरस, उदासीनता से भरे केवल क्षणिक आनन्द के लिये। दीपावली भारत का सर्वप्रमुख त्यौहार है। प्रत्येक जाति, धर्म, संप्रदाय इसे बड़ी धूमधाम से मनाता है किन्तु आज के बच्चों से यदि यह सवाल किया जाये कि दीपावली क्यों मनाई जाती है, तब वे चुप्पी साध लेंगे। आज तड़क-भड़क, दिखावा, खरीद-फरोख्त ही दीपावली का पर्याय बनते जा रहे हैं। बाहरी चमक-दमक में घर के दीये गुल हो गये हैं। दीपावली पर अफसरान को खुश करने के लिये बेशकीमती तोहफों का नजराना भी आज के युग की देन है। लक्ष्मी की आड़ में भ्रष्टाचार खूब फल-फूल रहा है। करोड़ों रूपयों की आतिशबाजी बेची-खरीदी जाती है। क्षण भर की खुशी को आज दीपावली का प्रमुख अंग मान लिया गया है।

अनेक ऐतिहासिक प्रसंगों और महापुरूषों के जीवन से जुड़ा यह त्यौहार भारत का सबसे बड़ा त्यौहार है। इसके प्रति लोगों के दिल और दिमाग में एक उत्साह, खुशी और आकर्षण समाया रहता है। सभी सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हैं। धन की देवी लक्ष्मी की पूजा कर ऋद्धि-सिद्धि की प्रार्थना करते हैं। गत् वर्ष की दीपावली आई और चली गई। जो कोई मिला, जिस किसी से पूछा, सभी ने कहा ''इस बार दीपावली में उत्साह नहीं था। बिक्री कम हुई, पटाखे कम बिके, मिठाइयां कम बिकीं। सोना, चांदी, कपड़े के खरीददार कम थे। लोगों के पास पैसा नहीं। उद्योग-धंधे सुस्त हैं। महंगाई इतनी कि परिवार की मांग पूरी करने के लिये दीपावली तक कुछ नहीं बचता। बेरोजगारी बहुत है।''

यह सच है कि आजादी के समय 36 करोड़ की जनसंख्या अब एक अरब हो गई है। परन्तु जनसंख्या की वृद्धि के अनुपात से आर्थिक विस्तार भी अधिक हुआ है। जनसंख्या का विस्तार ही बेराजगारी का एक मात्र कारण नहीं है। विश्व की जनसंख्या 6 अरब है। वैज्ञानिकों और समाज-शास्त्रियों का मानना है कि इससे कई गुणा अधिक जनसंख्या होने पर भी सबका भरण-पोषण हो सकता है, अगर संसाधनों व स्त्रोतों का उपयोग सही ढंग से हो।

हमारी नीतियां और उदारीकरण से संतुलित विकास नहीं हो रहा है। इसलिये राष्ट्रीय आय का विभाजन भी संतुलित नहीं है। अवसर सबको समान स्तर पर उपलब्ध नहीं हैं। कार्य करने के अधिकार सबको समान दिये गये हैं पर कार्य करने का क्षेत्र सबको एक स्तर का नहीं मिलता। दूसरा कारण है -मशीनीकरण। नई-नई तकनीक, कम्प्यूटर, सॉफ्टवेयर से प्रौद्योगिकी का चमत्कारी विकास हुआ है। इसका लाभ हुआ है। गुणवत्ता अधिक व कम लागत की स्थिति पैदा

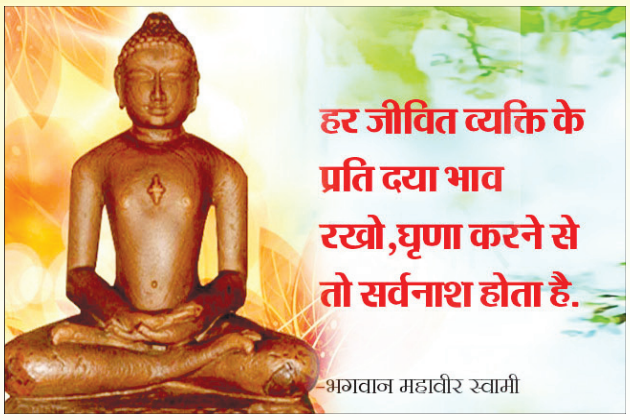

हुई है, पर मनुष्य बेरोजगार हो गया। एक वक्त था जब स्वावलम्बन तक ही औद्योगिक विकास की सोच थी, अब यह उदारीकरण परिप्रेक्ष्य में निजीकरण व वैश्वीकरण तक हो गई है और इस फैलाव में मनुष्य को भुलाया जा रहा है। भारत में आबादी का छठा हिस्सा (लगभग 16 करोड़) बेरोजगार है और हम वैश्वीकरण की ओर जा रहे हैं। यह खोखलापन है। बहुत आवश्यक है कि संतुलित विकास की अवधारणा बने। केवल एक ही हाथ की मुट्ठी भरी हुई नहीं हो। दोनों मुटि्ठ्यां भरी हों। वरना कितनी ही दीपावलियां आयेंगी और चली

जायेंगी। कुछ घरों में दीप जलेंगे, सब घरों में नहीं। जैन परम्परा में दीपावली का त्यौहार भगवान महावीर के निर्वाण के साथ जुड़ा हुआ है। आज के दिन तीर्थकर वर्धमान महावीर ने जब वे अपनी देशना से निवृत्त हुये और चार अघातिया कर्मों को निःशेष करने में तत्पर हुये - शुक्ल ध्यान द्वारा पांच लघु अक्षर प्रमाण काल में नश्वर- औदारिक शरीर से मुक्ति सदा-सदा काल के लिये छुटकारा पाया। उनका परमौदारिक शरीर कपूर की भांति उड़ गया। शरीर का जो भाग-नख, केश शेष रहा उसका संस्कार इन्द्रादि देवों ने किया। इन्द्र के मुकुट से निकली अग्नि ने अगर कपूर, चन्दनादि रचित चिता को क्षण-भर में भस्म कर दिया। यह दिन कार्तिक कृष्ण अमावस्या का था, जबकि तीर्थकर वर्धमान महावीर पावानगर के विविध द्रुम मण्डित रम्य उद्यान में कायोत्सर्ग स्थित हुये और उन्होंने स्वाति नक्षत्र में अजर-अमर मोक्ष पद उपलब्ध किया। तीर्थकर को जिस दिन निर्वाण-पद प्राप्त हुआ उसी दिन गौतम गणधर को केवलज्ञान का लाभ हुआ। इस प्रकार दो ज्योतियों के प्रकाशित होने के समाचार नगर-देश में विद्युत की भांति फैल गये। लोगों के हर्ष का पारावार न रहा। वे झुण्ड के झुण्ड दौड़ चले उस ओर जहां दो सुमंगलों ने जन्म लिया-एक वीर निर्वाण और दूसरा गणधर को केवलज्ञान। उन्होंने एकत्र होकर आत्म-ज्योति और केवलज्ञान ज्योति प्रकाशित होने की स्मृति स्वरूप लौकिक प्रकाश-पुंज दीपावली मनाने का आयोजन किया, जो लोग इस पुण्योत्सव में सम्मिलित होने से बच गये वे घर-घर, डगर-डगर दीपावली मनाकर अपने भाग्य को सराहते रहे। यह प्रथा आज भी दीपावली के रूप में भारत में सर्वत्र प्रचलित है।

दीपोत्सव पर लोग अपने घरों को बुहारते हैं, सफेदी कर उन्हें उज्जवल बनाते हैं, दीपक जलाते हैं। इसका मुख्य आशय यह है कि तीर्थकर के इस निर्वाण-स्मृति दिवस में हमें अपना शरीर रूपी घर बुहारना चाहिये। इसमें राग-द्वेष, काम, क्रोधादि का जो कूड़ा-कचरा है, उसे ज्ञान की बुहारी से निकाल बाहर करना चाहिये। आत्म-शुद्धि की सफेदी पोतनी चाहिये और स्वच्छ हुये इस घर में ज्ञानोपयोग का दीपक जलाना चाहिये। पर हम उल्टा ही कर रहे हैं। धन के पीछे दौड़ने वाले लोग इस 'धन्य' दिवस को 'धन' मान बैठे हैं। जो निर्वाण से धन्य है, उसे अकिंचन धन से धन्य मान रहे हैं। फलस्वरूप भगवान के निर्वाण के पहले दिन उनका अंतिम दर्शन करके जो त्रयोदशी की तिथि धन्य हो गई थी, उसे धन-तेरस के रूप में हम याद रखे हुये हैं और ज्यादा से ज्यादा परिग्रह संग्रह करके संतुष्ट होते हैं। मोक्ष-लक्ष्मी के पूजन का दिन भौतिक लक्ष्मी की आराधना में लगा हुआ है, क्योंकि आज जीवन के मानदण्ड बदल गये हैं। मनुष्य की सात्विक-वृत्तियां भौतिक एश्वेर्य की चकाचौंध में सम्यक्त्व को देख नहीं पा रही है। सहस्त्र दीप जलाकर भी मानव आत्म प्रदेश में एक दीपक भी जलाना नहीं जानता। बाहर की कान्ति देखकर प्रसन्न होता है, किन्तु भीतर प्रकाश करना भूल गया है। तप, त्याग और संयम के स्थान पर बिलास, परिग्रह और स्वच्छन्दता को उसने अपना लिया है। इसलिये बाहर तो दीपकों का उजाला है, परन्तु भीतर आत्मा में 'दिये तले अंधेरा' है।

प्रकाश का यह पर्व अंधकार को ही नहीं, हृदय गुहा में निधिष्ट अंधकार को भी जला सके, तभी इसकी सार्थकता है। दीपों का यह पर्व हमें तीर्थंकर महावीर-वर्धमान के चिन्तन से तद्णलब्धि सौकर्य उपस्थित करने वाला हो और सक्यक्त्व रूपी ज्ञान दीप को आत्मा में प्रज्जवलित कर सके, यही इस महोत्सव का उद्देश्य होना चाहिये। साम्राज्यवाद, समाजवाद, साम्यवाद और पूंजीवाद सब देख लिये, किसी ने सबको रोशनी नहीं दी। अब आजादी के 75वें वर्ष बाद संतुलित विकासवाद आये, जहां कोई नागरिक इतना धनवान नहीं हो कि दूसरे को खरीद सके और इतना गरीब भी न हो कि उसे बिकने के लिये बाध्य होना पड़े। केन्द्रीय सरकार से हमें यही अपेक्षा है। संतुलित विकास ही घर-घर में रोशनी फैलायेगा और तभी हमारा दीपोत्सव मनाना भी सार्थक होगा।

- कपूरचन्द पाटनी, सम्पादक गुवाहाटी

दीपावली महापर्व पर "जियो और जीने दो"

-आर्यिका श्री विजयप्रभा माताजी

इस जगत में सबसे ऊंचा धर्म अहिंसा प्यारा है,
जियो और जीने दो यह भगवान महावीर का नारा है।
सुख चाहते हम, लगती हमको जैसे प्यारी अपनी जान,
वैसे ही हर जीव को लगती, बेहद प्यारी अपनी जान।
अतः किसी को मत मारो तुम, सन्तों ने पुकारा है,
जियो और जीने दो यह भगवान महावीर का नारा है।।
बुरा काम है मार डालना और बचाना अच्छा काम,
आओ अच्छा काम करें हम और कमाएं जग में नाम।
राह अहिंसा चलने वालों से, जग में उजियारा है,
जियो और जीने दो यह भगवान महावीर का नारा है।।
महापुरूष कहते समझाते पशु-पक्षी हैं सच्चे दोस्त,
दोस्त से दोस्ती निभाओ इंसा हो मत खाओ गोश्त।
रिश्ता मूक बचाओ इसमें, धड़क रहा जहां सारा है,
जियो और जीने दो यह भगवान महावीर का नारा है।।
खोल दिये हैं बूचड़खाने, बेकसूर का खून बहता है,
बेबस जानवरों की हत्या, बर्बरता है, कायरता है,
इन जीवों की हत्याओं से बढ़ता दुख की अंधियारा,
जियो और जीने दो यह भगवान महावीर का नारा है।।
सुनो चीख कटते पशुओं की देखो हृदय विदारक तड़पन,
महसूस करो वह अत्यन्त पीड़ा, फिर थम जाती सांसें धड़कन,
जिससे इन जीवों को मारा, उसने खुद को भी मारा है,
जियो और जीने दो यह भगवान महावीर का नारा है।
भोले-भाले सुन्दर-सुन्दर जीव धरा के भूषण हैं,
वन-उपवास आबाद है, इनसे हरते कष्ट-प्रदूषण हैं।
जीवों की त्रिकाल महत्ता को सबने स्वीकारा है,
जियो और जीने दो यह भगवान महावीर का नारा है।।
शान्ति का पैगाम अहिंसा, समता का संगान अहिंसा,
जीने की सर्वोच्च कला यह, जीवन की किसान अहिंसा,
जिसने तत्व अहिंसा समझा, उसने सत्य विचारा है,
जियो और जीने दो यह भगवान महावीर का नारा है।।
जहां अहिंसा वहां हमेशा, ढेरों खुशियां आती हैं,
हिंसा सब पापों की जननी है, जग में प्रलय मचाती है,
सत्य, अहिंसा फूल सुगंधित, हिंसा जलता अंगारा है,
जियो और जीने दो यह भगवान महावीर का नारा है।
मार-काट, हिंसा-हत्या के, छोड़ो सारे क्रूर रिवाज,
बन सको तो बनो साथियो, मूक प्राणियों की आवाज,
जब जब हुई उपेक्षा इनकी तब तब मानव हारा है,
जियो और जीने दो यह भगवान महावीर का नारा है।।
कभी किसी को नहीं सताएं, सदा गीत प्रेम के गाएं,
खुद की जीव जगत की खातिर, शाकाहार करें करवाएं।
छोटा सा संकल्प हमारा दीपावली पर्व पर सबका बड़ा सहारा है।
जियो और जीने दो यह भगवान महावीर का नारा है।।

- महावीर प्रसाद अजमेरा, संवाददाता

समाज सेवक बनना और नाराज होना दोनों चीजें साथ नहीं चल सकती हैं, इसलिए

समाजसेवा छोड़ो या नाराज होना छोड़ें

सच्चा कार्य वह है जो समाज के हित को सर्वोपरि बना सके...इसलिए कहा है कि समाज सेवा मतलब तलवार की धार पर चलने का कार्य और यह कोई कायरों का काम नहीं। जिन्दगी में संघर्ष जरूरी है, इसलिए जो लोग समाजसेवा में अपना मूल्यवान समय दे रहे हैं उन लोगों को तन-मन-धन से सहयोग देकर समाज के अच्छे कार्यों को आगे बढ़ाएं।

- मेरा फोटो नहीं छपा, इसलिए मैं नहीं आया।
- मेरा निमंत्रण पत्रिका में नाम नहीं था, इसलिए मैं नहीं आया।
- मुझे उसमें कुछ मिलने वाला नहीं था, इसलिए मैं नहीं आया।
- मुझे कोई पद नहीं मिला, इसलिए मैं नहीं आया।
- मुझे कोई सुनता नहीं है, इसलिए मैं नहीं आया।
- मुझे स्टेज पर नहीं बैठाया, इसलिए मैं नहीं आया।
- मेरा सम्मान नहीं किया, इसलिए मैं नहीं आया।
- मुझे बोलने का मौका नहीं दिया, इसलिए मैं नहीं आया।
- बार-बार आर्थिक बोझ मुझ पर डाल दिया जाता है, इसलिए मैं नहीं आया।
- सभी काम मुझे सौंपा जाता है, इसलिए मैं नहीं आया।
- कोई सुझाव लेते नहीं हैं, इसलिए मैं नहीं आया।
- टाइम नहीं मिल रहा, इसलिए मैं नहीं आया।

वर्तमान को वर्धमान की आवश्यकता है

- डॉ. चिरंजीलाल बगड़ा, कोलकाता

> **आज समाज को पुनः संगठित करके एक करने की महती आवश्यकता आन पड़ी है ताकि श्रमण धर्म की जो मौलिकता है; उन सबको समन्वित करते हुए विश्व के प्राणी मात्र के कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया जा सकें। ग्लोबल वार्मिंग हो या आतंकवाद, उपभोक्तावादी संस्कृति हो या स्वछंद जीवन शैली, युद्ध की विभीषिका हो या हिंसक व्यापार का तांडव, सबका समाधान जैन दर्शन से ही संभव है।**

वर्तमान को वर्धमान की आवश्यकता है, जब हम यह कहते हैं तो सहज स्वाभाविक जिज्ञासा मन में उत्पन्न होती है कि वर्तमान में वर्धमान की क्यों आवश्यकता है, वर्तमान में ऐसी कौन सी परिस्थितियों का निर्माण हो गया और वर्धमान ही आखिर क्यों, उनमें ऐसी क्या विशेषताएं थीं कि आज पुनः उनकी आवश्यकता आन पड़ी है?

संक्रमण काल: बंधुओ, हम सब जानते हैं कि जैन धर्म, जैन समाज और जैन दर्शन, तीनों ही आज संक्रमण के दौर से गुजर रहे हैं। भगवान आदिनाथ से भगवान महावीर **पर्यंत चौबीस तीर्थंकरों की छड़ी, अविछिन्न** रूप से एक ही परम्परा के रूप में सदियों **तक प्रवहमान होती रही, जैन धर्म का कोई** विभाजन नहीं हुआ परंतु देवयोग से सम्राट चंद्रगुप्त के काल में बारह वर्ष का दीर्घ दुष्काल पड़ा और तत्पश्चात् श्रमण परम्परा दिगम्बर और श्वेताम्बर दो भागों में विभाजित हो गयी।

आज तो आलम यह है कि विभाजन में विभाजन होकर जैन धर्म का स्वरूप ही खंड खंड में विभक्त हो गया है। जैन समाज बोलकर कोई समाज नहीं है, अनेक समाज, अनेक नेता, अनेक लेटर पेड वाली राष्ट्रीय संस्थाएं और सबके अपने-अपने साधु समूह। दिगम्बरों के अलग-अलग, तो श्वेताम्बर तेरापंथ समाज के अलग, मूर्तिपूजक समाज के अलग-अलग, तोश्वेताम्बर स्थानक समाज के भी अलग-अलग। कोई किसी के नेतृत्व को स्वीकार करने को तैयार नहीं। मानो जैन समाज कोई एक धार्मिक सामाजिक समाज नहीं है, व्यक्तिवादी लोगों का भानुमती का कुनबा हो गया है। अब अगर जैन दर्शन की बात करें तो हम अपने आपको इस वर्तमान मोदी युग में हिंदू मानने में गर्व महसूस करने लगे हैं, हिंदू संस्कृति की एक शाखा के रूप में जैन समाज की पहचान बनती जा रही है, हम अपनी अधिकांश धार्मिक क्रियाओं में वैष्णव पद्धति को अपनाते जा रहे हैं। कर्म प्रधान संस्कृति पुरोहित वाली परम्परा को अपनाती जा रही है। चारित्र गौण और अर्थ की प्रमुखता, आज की अधिकांश विकृतियों के मूल में कारण भूत है। कर्मवाद, अकर्तावाद और अनेकांतवाद को हम भूलते जा रहे हैं। आज पुनः आवश्यकता जैन दर्शन के वैशिष्ठ्य को पुनर्स्थापित करने की है। हम सब जानते हैं कि बीसवीं सदी में चारित्र चक्रवर्ती आचार्य परमेष्ठी श्री शांतिसागर जी महा मुनिराज ने

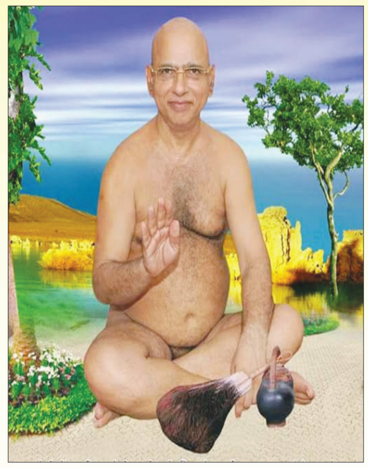

दिगम्बर श्रमण परम्परा को पुनर्जीवित किया था। आज संपूर्ण भारत राष्ट्र में जिस तरह हमारा दिगम्बर श्रमण समूह निर्बाध विचरण करते हुए दृष्टिगोचर हो रहा है, यह सब उन्हीं पूज्य गुरूदेव के पुरूषार्थ का परिणाम है। दिगम्बर श्रमण के आगम अनुकूल वर्तमान स्वरूप का जो आज हम दिग्दर्शन कर पा रहे हैं, यह उन्हीं पूज्यश्री की महती देन है। बीसवीं सदी श्रमण परम्परा के उन्नायक आचार्य शांतिसागर जी महामुनिराज के नाम इतिहास में दर्ज है, परंतु इक्तीसवीं सदी आते आते समाज, संतवाद-पंथवाद-ग्रंथबाद और जातिवाद, इन चार के नाम पर इस कदर विभाजित हो गया है कि जैनत्व के सम्मुख अपना स्वतंत्र अस्तित्व बनाये रखने का भी संकट आ उपस्थित हुआ है। यह गंभीर चिंता का मुख्य कारण है।

अब बात करते हैं आवश्यकता वर्धमान की ही क्यूं, क्या खूबी है वर्धमान की? तो बंधुओ, इतिहास गवाह है कि पारसनाथ के निर्वाण के तीन सौ वर्षो के बाद ही हिंदू संस्कृति का बोलबाला हो गया, धर्म के नाम पर बलि प्रथा और हिंसा का तांडव होने लगा। समाज को क्रियाकांडों में ब्राह्मणों और पुरोहितों ने जकड़ लिया और ऐसे कठिन समय में भगवान महावीर का इस धरती पर आगमन हुआ तथा अहिंसा अनेकांत और अपरिग्रह सिद्धांत के त्रिरत्न से जन-जन को आप्लावित किया। अहिंसा धर्म की पुनर्स्थापना हुई।

आज समाज को पुनः संगठित करके एक करने की महती आवश्यकता आन पड़ी है ताकि श्रमण धर्म की जो मौलिकता है; उन सबको समन्वित करते हुए विश्व के प्राणी मात्र के कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया जा सके। ग्लोबलवार्मिंग हो या आतंकवाद, उपभोक्तावादी संस्कृति हो या स्वछंद जीवन शैली, युद्ध की विभीषिका हो या हिंसक व्यापार का तांडव, सबका समाधान जैन दर्शन से ही संभव है।

वर्तमान के वर्धमान: हम सबका परम सौभाग्य है कि चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर जी की परम्परा के पंचम पट्टाधीश आचार्यश्री वर्धमान सागर जी महाराज विगत् पचास वर्ष से निर्ग्रन्थ मुनि के वेश में संपूर्ण भारत देश में उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम तक पद विहार कर रहे हैं।

यही एक मात्र ऐसा संघ है जो पंथवाद, जातिवाद से पूरी तरह से मुक्त है, न किसी प्रचार-प्रसार की चाह है और न किसी संगठन विशेष से जुड़ाव, न कोई संस्था है और न कोई निर्माण की योजना है। जहां किसी धन कुबेर से नजदीकी की कोई पहल नहीं है। गरीब और अमीर सबके लिए जहां समान रूप से सब समय दरवाजा एक समान खुला रहता है। समस्त श्रमण संघ के संतों के लिए जहां सम्मान के भाव हैं, किसी पंथ परम्परा के लिए

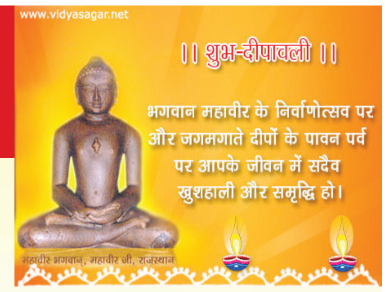

दृष्टि भेद नहीं है, खुद के बड़े होने का अधिकार बोध नहीं है, समन्वय की दृष्टि है परंतु अपनी परम्परा के पालन करने और कराने में कोई ढिलाई नहीं है, कोई समझौता नहीं है। पूज्य चारित्र चक्रवर्ती की परम्परा के पूर्ण अनुपालक, ज्ञान-ध्यान-स्वाध्याय और तपस्या के प्रति सतत् जागरूक एवं क्रियाशील एक मात्र आचार्य।

प्रत्येक बारह वर्ष से सकल दिगम्बर जैन समाज के सर्वोच्च अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले विशाल गोमटेश बाहुबली के महामस्तकाभिषेक समारोह में अनेक संघों-संतों और परम्पराओं के श्रमण संघों का लगातार वर्ष 1993, 2006 एवं 2018 तीन-तीन बार कुशल नेतृत्व का सफल अनुभव प्राप्त आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महामुनिराज वर्तमान में एक मात्र ऐसे आचार्य हैं जो संपूर्ण दिगम्बर जैन समाज को एक छत्र के नीचे लाने की सामर्थ्य रखते हैं तथा समाज को दलगत राजनीति के इस संक्रमण के दौर में संत, पंथ, ग्रंथ और जाति से ऊपर उठकर भगवान महावीर के सर्वोदयी विकास के मार्ग को प्रशस्त करने में क्षमतावंत हैं। वर्तमान लोकतांत्रिक युग में सब परम्पराओं और संघों में आचार्य वर्धमान सागर जी ही सर्वाधिक स्वीकार्यता वाले एक मात्र आचार्य हैं।

उनका अपना एक मात्र ध्येय तो निज आत्म कल्याण है, यह तो समाज का कर्तव्य है कि हम सब मिलकर उनके एक झंडे के नीचे जुड़ें और समाज उत्थान और समाज एकता की दिशा में ठोस पहल करें।इति शुभम्।

दीपावली पर चैतन्य ऊर्जा का निर्माण करें

महावीर दीपचंद ठोले, औरंगाबाद

दीपावली हमारे भारतीय संस्कृति का एक भाग है जो हमें अनवरत् चैतन्य उर्जा का निर्माण करना सिखाती है। दीपावली पर हम दीप जलाकर अमावस के अंधेरी रात को पूनम की रात के उजाले में परिवर्तित कर देते हैं और मानो ऐसा लगता है कि आज सूर्य अस्त हुआ ही नहीं, यह दीपावली किसी सम्प्रदाय विशेष का पर्व नहीं है। यह तो समस्त विश्व का एक मंगलमय ज्योति पर्व या प्रकाश पर्व है जो अति प्राचीन है। यह पर्व अपने ज्योतिर्मय व्यक्तित्व एवं लोक कल्याणकारी जीवन प्रसंगों से अप्लावित करने वाले महापुरूषों के जीवन के विशिष्ट प्रसंगों से जुड़ा हुआ है। जिसके कारण मनुष्य मात्र को न केवल हर्षित एवं आल्हादित किया अपितु उन्हें शाश्वत सुख की अनुभूति करने का गौरव प्रदान किया।

दीपावली को असत्य पर सत्य की और अंधकार पर प्रकाश की विजय के रूप में मनाया जाता है। दीपावली मर्यादा सत्य, कर्म और सद्भावना का संदेश देती है। सबके साथ मिलकर मिठाई खाने से आपसी प्रेम को बढ़ाने का संदेश मिलता है, तो पटाखों और दीपों की रोशनी में नहाया वातावरण धरती पर स्वर्ग होने की गवाही देता नजर आता है। दीपावली शब्द से ही प्रतीत होता है दीपों का त्योहार, इसका शाब्दिक अर्थ है दीपों की पंक्ति। दीप और आवली के संधि से बने दीपावली हमें ''तमसो मा ज्योतिर्गमय'' अर्थात् अंधेरे से प्रकाश की ओर जाने का संदेश देती है। सारे दीपक एक साथ जलते हैं। कोई दीप एक दूसरे से भेदभाव नहीं करता। दीपक रूई और तेल से प्रकाशमान होते हैं, उसमें तेल और रूई अपने वर्चस्व को मिटाकर दूसरों को प्रकाशित करता है उसी भांति मनुष्य भी अपने गुणों और स्नेह के माध्यम से दूसरों के प्रति हितकारी होना चाहिए। स्वयं जलकर दूसरों को प्रेम का सद्भावना का प्रकाश देना चाहिए परंतु हम अनुभव करते हैं कि चारों ओर भय, प्रतिस्पर्धा और व्यक्तिगत् स्वार्थों की अंधेरी दीवारें हैं। सभी ओर हिंसा, साम्प्रदायिकता, आतंकवाद जैसी बातें संवेदनशीलता को झुठला रहे हैं। आज इंसान इंसान को जोड़ने वाले तत्व कम हैं और तोड़ने वाले अधिक हैं। आदमी आदमी से दूर हटता जा रहा है, उन्हें जोड़ने के लिए भगवान महावीर की अहिंसा, करूणा चाहिए। दीपावली हमें संकेत देती है कि आत्मा से दया धर्म का दीप आलोकित करें, ज्ञान का प्रकाश करें एवं केवल्य ज्योति की ओर कदम बढ़ाऐं।

दानवता को समाप्त कर मानवता का वरण कर भगवान बनने की ओर पग अग्रसर करें। प्राणी मात्र के प्रति करूणा एवं दया को जगाकर अपने जीवन को धर्म से प्रकाशित कर संपूर्ण देश, राष्ट्र एवं समाज में अहिंसा धर्म का दीप जलाने का प्रयास करें तभी हमारी दीपावली मनाना सार्थक है। अहिंसा को पालने वाले हम करोड़ों रूपयों के पटाखे फोड़कर हजारों लाखों जीवों की हिंसा करते हैं। कुरीतियों एवं कुव्यसनों से दूर रहने की बजाए उसमें लिप्त

होकर मौजमस्ती से दीपावली मनाते हैं, परन्तु हमारे ही बीच एक वर्ग ऐसा भी है, जिनको यह पता भी नहीं चलता कि कब दीपावली आयी और चली गयी, न उनको दीपावली की रोशनी का अहसास होता है और न ही दीए की लौ का, उनकी दोपहर अंधेरे में कटती है और रात भी। वे आर्थिकता से, ठण्ड में सिसक रहे हैं, भूखे-प्यासे हैं, दुखी हैं। कुछ प्रकृति के मार से तो कुछ अपनों की मार से मरे हुए हैं। हम सब भारतवासी विचार और कर्तव्यों की सजगता के लिए मिलकर जलेंगे तो उसका प्रकाश सारे विश्व में फैल जाएगा और हम गुरूतत्व के माध्यम से हमारी मानवता रूपी ऊर्जा बांट सकेंगे। आज हमारे जीवन के मापदण्ड बदल गये हैं। हमारी सात्विक वृत्तियाँ भौतिक ऐश्वर्य की चकाचौंध में सम्यक्त्व को देख नहीं पा रही हैं सहस्त्र दीप जलाकर भी हम आत्म प्रदेश में एक दीपक भी जलाना नहीं जानते। हमने भगवान महावीर के तप, त्याग और संयम के स्थान पर विलास, परिग्रह और स्वच्छन्दता को अपना लिया है इसलिए बाहर तो दीपकों का उजाला है परंतु भीतर आत्मा में दिये तले अंधेरा है। साम्राज्यवाद, समाजवाद, साम्यवाद और पूंजीवाद किसी ने भी किसी को पूर्ण रोशनी नहीं दी। आजादी के बाद अब संतुलित विकासवाद आये पर कोई भी इतना धनवान नहीं बने कि दूसरों को खरीद सके और कोई भी गरीब न हो कि उसे स्वयं को बिकने के लिए विवश होना पड़े। यही संतुलित विकास घर-घर में दीपोत्सव की रोशनी दीपावली हमें संकेत देती है कि 'आत्मा में चैतन्य ऊर्जा का निर्माण करें' यह उर्जावान अस्तित्व का बोध विरक्ति की ओर ले जाता है। यह विरक्ति राष्ट्र के प्रति जागृत करती है। इसमें समूची शक्ति है। इस पावन पर्व पर हम सभी संकल्प लें कि इस कलयुग में मानव को मानवता सिखाएंगे और स्वयं को उर्जावान दीपक बनाएंगे। प्राणीमात्र के प्रति करूणा एवं दया को जगाकर अपने जीवन को धर्म से प्रकाशित कर संपूर्ण देश, राष्ट्र एवं समाज में अहिंसा धर्म का दीप जलाने का प्रयास करेंगें और सच्चे अर्थो में दीपावली को सार्थक बनाऐंगे।

भ. महावीर निर्वाणोत्सव (दीपावली) पर हार्दिक शुभाकामनायें

WITH BEST COMPLIMENTS FROM

Padam Chand Jain (Dhakra)

(Vice President-Shri Bharatvarshiya Digamber Jain Mahasabha)

Mahendra Kumar Jain (Dhakra)

(Working President- Shri Bharatvarshiya Digamber Jain (Teerth Sanrakshini) Mahasabha T. N. Branch

Pradeep Commercial Interprises

(Iron & Steel Merchants)

56, Sembudoss Street, 2nd Floor, P. B. No 8343, Chennai-600 001
Phone No. 25228522, 25220032 Off. 25206812, 25202601 Resi.
Mobile : P. C. Jain-9444918024 M.k.Jain-9444028522

ASSOCIATE :

Shanti Enterprises

Banglore 080-25266482, Mob. : 09448092260

प्रेरणा

24 वर्ष का इन्तजार-------- हो रहा साकार-----

अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी में

पंचकल्याणक: 24 से 28 नवंबर 2022

महास्तकाभिषेक: 27 नवम्बर से 04 दिसम्बर 2022

परम पूज्य, वात्सल्य वारिधि, जिन धर्म प्रभावक, राष्ट्र गौरव आचार्य 108 वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में 24 वर्ष बाद चान्दनपुर वाले बाबा श्री महावीर जी का महामस्तकाभिषेक नवम्बर 2022 में होने जा रहा है, इस हेतु सौभाग्य आपको बुला रहा है। इन ऐतिहासिक पलों के आप साक्षी बनें एवं पुण्य अर्जित करें।
रत्नों से भी महंगी मनुष्य पर्याय है और इस पर्याय की सार्थकता धार्मिक कार्यों में रूचि रखने में है,
श्री महावीर जी के महामस्तकाभिषेक में उपस्थित होने पर अक्षय पुण्य बन्ध का हेतु है। -शेखरचन्द पाटनी

श्री वीरेन्द्र हेगड़े धर्मस्थल का व्यक्तित्व

जहां उपस्थित होते हैं वहां सब उनको प्यार करते हैं,
जहां से चले जाते हैं, सब उनको याद करते हैं।
जहां पहुंचने वाले होते हैं वहां सब उनका इन्तजार करते हैं।
श्री वीरेंद्र हेगड़े जी- आप भगवान महावीर महामस्तकाभिषेक महोत्सव समिति के परम शिरोमणि संरक्षक के पद को सुशोभित करते हैं।

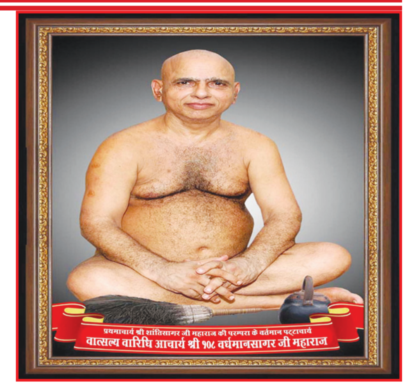

मार्गदर्शक

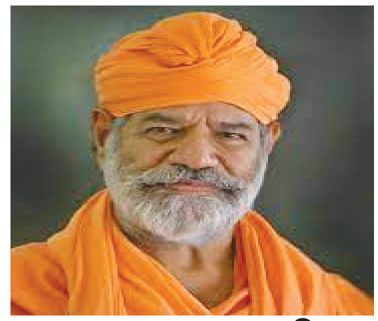

भट्टारक स्वामी
श्री चारूकीर्ति जी महाराज

पुण्यार्जक/नमनकर्ता: यह प्रकाशन निम्न दानवीरों की उदारता एवं उत्कृष्ट भावना से प्रकाशित हो रहे हैं।

वीरेन्द्र हेगड़े धर्मस्थल | राजेन्द्र कटारिया अहमदाबाद | गजराज जी गंगवाल दिल्ली | प्रकाश चंद्र बड़जात्या, चेन्नई | रत्नप्रभा सेठी गुवाहाटी | विनोद कुमार काला कोलकाता | एम. के. जैन चेन्नई | सरिता जैन चेन्नई | प्रदीप जैन आगरा | मीना जैन आगरा

--- तिनसुकिया के नमनकर्ता ---

हुलासचन्द सेठी | प्रमोद बज | विकास पाटनी | श्रीमती वाणी पाटनी | पदमचंद रावंका एवं श्रीमती राजकुमारी रावंका (एलआईसी एजेंट) | शौभागमल झांझरी | अशोक कुमार सेठी | महावीर सेठी सिल्चर | मणीन्द्र जैन दिल्ली

--- गुवाहाटी के नमनकर्ता --- / --- जयपुर के नमनकर्ता ---

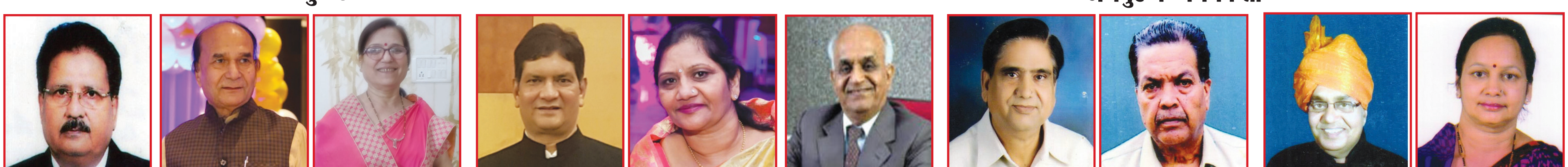

सी.ए. सन्तोष काला, गुवाहाटी | प्रकाश जी काला गुवाहाटी | श्रीमती किरण काला | दिलीप बड़जात्या | श्रीमती सुनिता बड़जात्या | रमेश तिजारिया | धर्मचन्द्र पहाड़िया | कंवरीलाल जी काला, जयपर | प्रदीप चूड़ीवाल - श्रीमती निर्मला चूड़ीवाल (निखार फैशन, जयपुर)

कमल कुमार गंगवाल, हाथीगोला | श्रीमती वीणा देवी छाबड़ा | श्रीमती ऊषा देवी बड़जात्या, पाण्डु, गुवाहाटी | विमल कुमार बड़जात्या, पाण्डु, गुवाहाटी | संजय कुमार काला पाण्डु, गुवाहाटी | शिखरचन्द कासलीवाल | श्रीपाल सबलावत, सुरेश सबलावत (हुलासचन्द सबलावत परिवार) | दिनेश कासलीवाल, प्रमुख समाजसेवी | राजकुमार सेठी

श्रीमती राजुल छाबड़ा पाण्डु | विनोद कुमार पाटोदी, पाण्डु, गुवाहाटी | श्रीमती विमला देवी कुबेर गैस | मन्जू सेठी आठं गाव | श्रीमती अलका देवी बड़जात्या, मालेगांव | नवरतन मल पाटनी अष्टम प्रतिमाधारी | श्रीपाल-कुसुम चूड़ीवाल सुपार्श्व गार्डन सिटी,जयपुर | सोहनलाल सेठी | नरेन्द्र कुमार सेठी

विज्ञापन प्रेषक: R. K. Advertising द्वारा-शेखरचन्द पाटनी, जैन गजट राष्ट्रीय संवाददाता, मो. 09667168267 rkpatni777@gmail.com

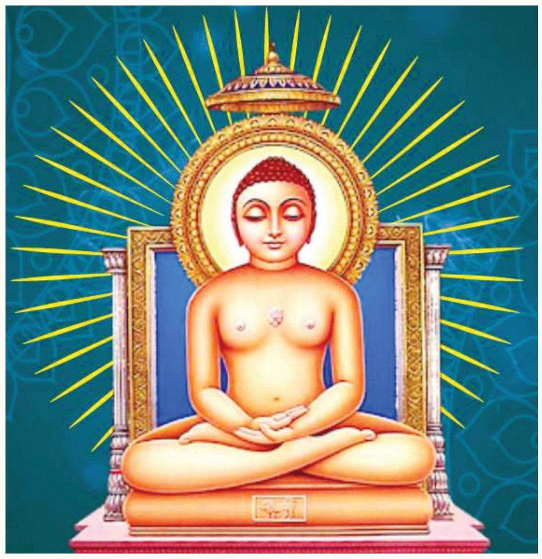

भ. महावीर का 2549 वां निर्वाणोत्सव

जन जन के आराध्य वर्तमान शासन नायक, अहिंसा के अवतार
भगवान महावीर स्वामी के 2549 वें निर्वाणोत्सव एवं दीप मालिका दीपावली के
पावन स्वर्णिम सुअवसर पर सम्पूर्ण भारतवर्ष के श्रद्धालुओं को हृदय के गहन स्थल अन्तर्मन से

हार्दिक कोटिशः बधाई एवं मंगल शुभकामनाएं सादर समर्पित

-: शुभाकांक्षी :-

कपूरचंद पाटनी
सम्पादक जैन गजट
अध्यक्ष-महासभा लोअर असम
मै. कपूरचंद जैन एण्ड सन्स ए.टी. रोड,
गुवाहाटी (आसाम) 781001
मो. 9864118950, 9854050969

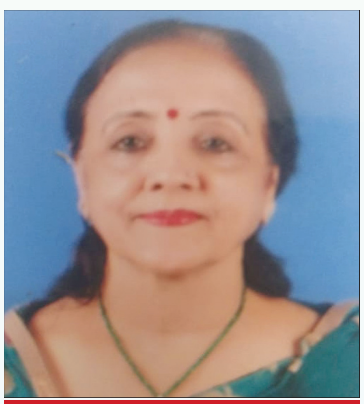

श्रीमती फूलमाला पाटनी
: अध्यक्ष :
पूर्वोत्तर प्रदेशीय दिग. जैन
महिला संगठन, गुवाहाटी

आनंद कुमार रत्नप्रभा सेठी
सिगनेचर स्टेट, 9 फ्लोर,
अपोजिट-डी.जी.पी. ऑफिस,
बी. के. काकोसी रोड, गुवाहाटी
(आसाम) 781007मो. 9435012070

भागचंद मनफूल देवी पाटनी
पीजे गारमेण्टस,
गुवाहाटी, डीमापुर

कमल कुमार गंगवाल (हाथीगोला)
झूमरमल जैन एण्ड संस, एस.आर.सी.बी. रोड,
फैंसी बाजार, गुवाहाटी -781001,
मो. 9864020970

राज कुमार छाबड़ा
महावीर ट्रेडर्स जेल रोड,
गुवाहाटी
मो. 9101714984

अरूण कुमार जैन
द्वारा-चंपालाल सरावगी एण्ड
कम्पनी बरपेटा रोड,
आसाम 781315
मो. 9435320639

अनिल लुहाड़िया
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
श्री भारतवर्षीय दिग. जैन समाज
जेड-28, मानसरोवर कॉलोनी, मुरादाबाद (उ.प्र.)
244001
मो. 9837030030

अशोक कुमार चूड़ीवाल
मिशन रोड, पो.ऑ. बरपेटा
जिला - बरपेटा
आसाम - 781315
मो. 9435124862

जितेन्द्र कुमार जैन (पाटनी)
जयश्री भिल्ला,
केदार रोड जैन गली,
गुवाहाटी -781001
मो. 7002654862

प्रेरणा

24 वर्ष का इन्तजार-------- हो रहा साकार-----

अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी में

पंचकल्याणक : 24 से 28 नवंबर 2022

महास्तकाभिषेक: 27 नवम्बर से 04 दिसम्बर 2022

परम पूज्य, वात्सल्य वारिधि, जिन धर्म प्रभावक, राष्ट्र गौरव आचार्य 108 वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में 24 वर्ष बाद चान्दनपुर वाले बाबा श्री महावीर जी का महामस्तकाभिषेक नवम्बर 2022 में होने जा रहा है, इस हेतु सौभाग्य आपको बुला रहा है। इन ऐतिहासिक पलों के आप साक्षी बनें एवं पुण्य अर्जित करें। रत्नों से भी महंगी मनुष्य पर्याय है और इस पर्याय की सार्थकता धार्मिक कार्यों में रूचि रखने में है, श्री महावीर जी के महामस्तकाभिषेक में उपस्थित होने परअक्षय पुण्य बन्ध का हेतु है। -शेखरचन्द पाटनी

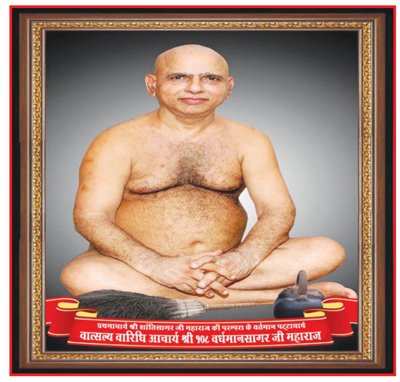

मार्गदर्शक

पवन कुमार मोदी
निवासी सीकर, प्रवासी कोलकाता

श्री पवन कुमार मोदी जी आप परम मुनिभक्त , दानवीर श्रेष्ठी, दृढ़ संस्कारवान, व्यवहार ज्ञान में निपुण, समाज हितैषी व्यक्ति हैं। पुण्यार्जक/नमनकर्ता: यह प्रकाशन कोलकाता के दानवीरों की उदारता एवं उत्कृष्ट भावना से प्रकाशित हो रहे हैं।

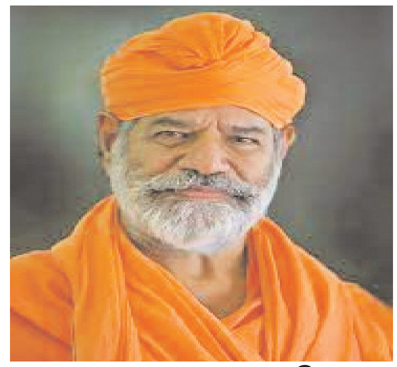

भट्टारक स्वामी
श्री चारूकीर्ति जी महाराज

सुरेश पाटनी कोलकाता | सरिता पाटनी कोलकाता | रोहित पाटनी कोलकाता | नेहा पाटनी कोलकाता | अंकित पाटनी कोलकाता | नैना पाटनी कोलकाता | अन्या पाटनी कोलकाता | अयांश पाटनी कोलकाता | अर्हम पाटनी कोलकाता | राजवीर पाटनी कोलकाता

S K P GROUP

पवन कुमार मोदी कोलकाता | महावीर प्रसाद कोलकाता | संजय कुमार काला कोलकाता | राजकुमार काला कोलकाता | बबीता काला कोलकाता | धर्मचंद मोदी कोलकाता | अजीत पाण्ड्या कोलकाता | झूमरमल पाटनी कोलकाता | दिनेश कुमार पाटनी कोलकाता | श्रीमती माया काला कोलकाता

श्रीमती क्षमा गंगवाल कोलकाता | प्रकाशचंद बाकलीवाल, श्रीमती गुणमाला देवी बाकलीवाल कोलकाता | पवन कुमार पाटनी, दौलत कुमार पाटनी आशिका ग्रुप, कोलकाता | विमला देवी छाबड़ा कोलकाता | विनोद कुमार जैन कोलकाता | हजारीमल पाण्ड्या कोलकाता | अजीत कुमार पाटनी कोलकाता | सुनील कुमार पाटनी कोलकाता

संतोष गंगवाल कोलकाता | जितेन्द्र कुमार कासलीवाल, कोलकाता | अशोक कुमार पाटनी कोलकाता | कमलनयन ठोल्या (सीए) कोलकाता | पन्नालाल बगड़ा विक्रम विहार, हावड़ा | राजकुमार बगड़ा विक्रम विहार, हावड़ा | दर्शन पाण्ड्या - सुरेश गंगवाल डबसन रोड, हावड़ा | पारस मल पाटनी कोलकाता | पुखराज बड़जात्या कोलकाता

धनकुमार पाटनी कोलकाता | महावीर प्रसाद ठोल्या, (बहुरानी) कोलकाता | चन्द्र कुमार सेठी कोलकाता | श्रीमती अन्जना देवी पाटनी कोलकाता | श्रीमती शर्मिला काला डबसन रोड, कोलकाता | सुरेन्द्र गंगवाल विवेक विहार, हावड़ा | दिलीप कुमार पाटोदी डबसन रोड, कोलकाता | सम्पत जी पाण्ड्या कोलकाता | हुकुमचन्द बड़जात्या कोलकाता | रवि कासलीवाल कोलकाता

विज्ञापन प्रेषक: R. K. Advertising द्वारा-शेखरचन्द पाटनी, जैन गजट राष्ट्रीय संवाददाता, मो. 09667168267 rkpatni777@gmail.com

प्रेरणा

24 वर्ष का इन्तजार-------- हो रहा साकार-----

अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी में

पंचकल्याणक: 24 से 28 नवंबर 2022

महास्तकाभिषेक: 27 नवम्बर से 04 दिसम्बर 2022

परम पूज्य, वात्सल्य वारिधि, जिन धर्म प्रभावक, राष्ट्र गौरव आचार्य 108 वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में 24 वर्ष बाद चान्दनपुर वाले बाबा श्री महावीर जी का महामस्तकाभिषेक नवम्बर 2022 में होने जा रहा है, इस हेतु सौभाग्य आपको बुला रहा है। इन ऐतिहासिक पलों के आप साक्षी बनें एवं पुण्य अर्जित करें। रत्नों से भी महंगी मनुष्य पर्याय है और इस पर्याय की सार्थकता धार्मिक कार्यों में रूचि रखने में है, श्री महावीर जी के महामस्तकाभिषेक में उपस्थित होने पर अक्षय पुण्य बन्ध का हेतु है। -शेखरचन्द पाटनी

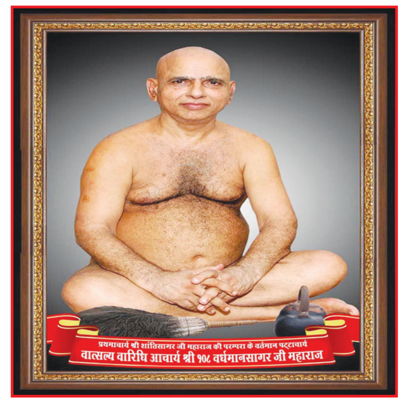

मार्गदर्शक

पवन कुमार मोदी
निवासी सीकर, प्रवासी कोलकाता

श्री पवन कुमार मोदी जी आप इतनी ऊंचाईयों पर जाकर भी अपने मूल स्वरूप को यथावत् रखे हुयें हैं। कोलकाता जैन समाज को आपके व्यक्तित्व पर नाज है। आप महासभा के कोलकाता में स्तम्भ हैं। कोलकाता में आपने शेखावटी की धार्मिक व सामाजिक क्षेत्र में एक अलग पहचान बनाई है।

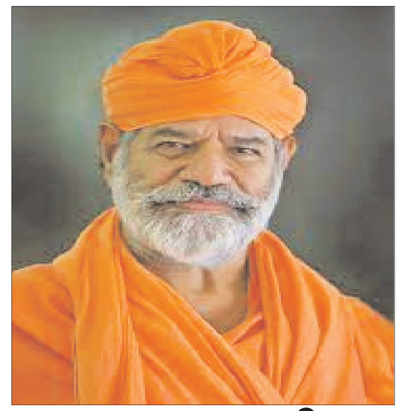

भट्टारक स्वामी
श्री चारूकीर्ति जी महाराज

भागचन्द पहाड़िया
कोलकाता

चन्द्रप्रकाश पहाड़िया
कोलकाता

संजय कुमार पहाड़िया
कोलकाता

विनोद काला - किरन काला
कोलकाता

सन्तोष सेठी
कोलकाता

निर्मल-श्रीमती पुष्पा, बिन्दायका
कोलकाता

नेमीचन्द बोहरा खंजाची एवं रतन माला बोहरा, निवासी जयपुर प्रवासी कोलकाता

नेमीचन्द बज-श्रीमती कमला देवी बज
संभव ग्रुप कोलकाता

श्री पूनम चन्द-श्रीमती अंजना देवी
अजमेरा, कोलकाता

महेन्द्र-श्रीमती पदमा पाटोदी, समाधिस्थ मुनि श्री सुभव्यसागर जी महाराज के पुत्र-पुत्रवधु (गृहस्थावस्था के), कोलकाता

अशोक कुमार सेठी-ममता सेठी
कोलकाता चातुर्मास के मंगल कलश स्थापनकर्ता

मनोज-रंजना काला, कोलकाता

कमल कुमार-श्रीमती अनीता काला
मैनेजिंग ट्रस्टी, बंगवासी मंदिर, कोलकाता

सुभाष कुमार-माया देवी कासलीवाल
रफीगंज वाले, कोलकाता

सुरेश कुमार पाटनी एवं श्रीमती शर्मिला देवी
कोलकाता

नरेन्द्र कुमार कासलीवाल
कोलकाता

श्रीमती कनकमाला
बड़जात्या, विक्रम विहार

श्रीमती संतोषदेवी
पाटनी, विक्रम विहार

महेन्द्र कुमार सेठी
कोलकाता

विजय कुमार छाबड़ा,
हरियाणा भवन, कोलकाता

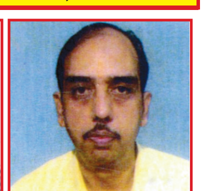

कमल कुमार टोंग्या
कोलकाता

श्रीमती संतोषदेवी सेठी
कोलकाता, बड़ा बाजार

सागर जैन
कासलीवाल कोलकाता

गुप्त सज्जन
कोलकाता

NCS GROUP
सुनील, सुरेंद्र, विकास पाण्ड्या,
कोलकाता/ गुवाहाटी

धनेन्द्र कुमार टोंग्या
कोलकाता

धरमचन्द कासलीवाल
कोलकाता

श्रीमती कुसुम
चूड़ीवाल, कोलकाता

अशोक कुमार
ठोलिया, कोलकाता

कमल कुमार
चांदवाड़

भारत लुहाड़िया
कोलकाता

संजय जैन (सीए)
कोलकाता

संजय कुमार
बगड़ा

राजीव जैन
कोलकाता

सुधीर जैन
कोलकाता

पदमबल्लभ शिखर की जयकारों के बीच रखी आधारशिला

पूर्व जन्मों के फल से ही मिलता है मंदिर जीर्णोद्धार का पुण्यार्जन

- गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी

राजाबाबू गोधा, संवाददाता

गणिनी आर्यिका 105 श्री स्वस्तिभूषण माताजी के पावन सान्निध्य में 9 अक्टूबर, 2022 को पदमपुरा अतिशय क्षेत्र में मूलनायक भगवान पदमप्रभ के ऊपर 45 फुट के और उत्तंग भव्य पदम बल्लभ शिखर की जयकारों के बीच आधारशिला हर्षोल्लास से रखी गई। यह कार्यक्रम ऐतिहासिक रूप से विभिन्न मंत्रोच्चारणों के बीच सम्पन्न हुआ।

आर्यिकाश्री ने कहा कि पूर्व जन्मों के फल से ही मंदिर जीर्णोद्धार का पुण्यार्जन मिलता है, धर्म और किये गये दान दोनों की जड़ हमेशा हरी होती है। अतः अपनी चंचला लक्ष्मी का उपयोग करते हुए खुले हृदय से धर्म और दान करना चाहिए। पं. अनिल जैन शास्त्री के निर्देशन में मंत्रोच्चार के साथ शिला पूजन किया गया, प्रसिद्ध वास्तुविद राजकुमार कोठारी के निर्देशन में आयोजित समारोह में मुख्य दीपक विराजमान करने का पुण्यार्जन हेमन्त-पुष्पा सोगानी को प्राप्त हुआ।

आधार शिला रखने का पुण्यार्जन समाजश्रेष्ठी सुधीर-इंदिरा जैन दौसा वाले, महावीर-शशि पहाड़िया, हेमन्त-पुष्पा सौगानी, अनिल स्वाति जैन, नेमीचंद-सुमित्रा जैन को तथा शिखर की मुख्य शिला रखने का पुण्यार्जन समाजश्रेष्ठी कैलाश जी, राजेन्द्र जी-इंदिरा जी बिलाला आकोडिया वालों ने प्राप्त किया तथा जयकारों के बीच उक्त शिलान्यास समारोह सम्पन्न हुआ, कार्यक्रम में युवा समाजसेवी चेतन जैन निमोडिया ने 30 अक्टूबर को होने वाले माताजी के जन्म जयंती समारोह एवं पिच्छिका परिवर्तन समारोह की जानकारी दी। समारोह में सुरेन्द्र पाण्ड्या, जितेन्द्र मोहन जैन, डॉ. जी. सी. सोगानी, सी. ए. एन के जैन, सुबोध चांदवाड, महेंद्र अनोपडा, जिनेन्द्र जैन, जीतू जैन, फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा, कैलास कासलीवाल, संवाददाता राजाबाबू गोधा सहित बड़ी संख्या में मंदिर कमेटी सदस्य एवं श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

आचार्यश्री का अवतरण दिवस हर्षोल्लास से मनाया

विजय पाण्ड्या

अजमेर। शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर अवतरित मोक्षमार्ग पर अग्रसर महान आत्माओं का गुणानुवाद श्रमण संस्कृति उन्नायक परम पूज्य आचार्य 108 श्री विद्यासागर जी महाराज, परम पूज्य आचार्य 108 श्री सुनील सागर जी महाराज, परम पूज्य निर्यापक 108 श्री समय सागर जी महाराज एवं पूज्य गणिनी आर्यिकारत्न 105 श्री ज्ञानमति माताजी के अवतरण दिवस के अवसर पर श्री दिगम्बर जैन महासमिति एवं श्री दिगम्बर जैन महासमिति महिला एवं युवा महिला संभाग अजमेर द्वारा महावीर सर्कल कीर्ति स्तंभ पर सामूहिक आरती एवं भजनों के माध्यम से भक्ति का कार्यक्रम रखा गया जिसमें जैन धर्मावलंबियों ने बहुत ही श्रद्धा भक्ति एवं हर्षोल्लास से भाग लेते हुए कार्यक्रम को ऊंचाईयां प्रदान कराई। अध्यक्ष मधु पाटनी एवं सोनिका भैंसा ने बताया कि महावीर सर्कल स्थित संत शिरोमणि आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज की दीक्षा स्थली कीर्ति स्तंभ पर होने वाले कार्यक्रम में समिति के सदस्य, सदस्याओं के साथ सकल जैन समाज ने भजन गायक अंकित पाटनी एवं रूपल गोधा के द्वारा गाए भजनों- गंगा जमुना में जब तक ये पानी रहे, ओ पूनम के चंदा गुरूवर तुमको अपना मानू, गुरू दर्शन से मन यूं मगन हो गया आदि पर बहुत भक्ति की।

वार्षिक कलशाभिषेक

अनिल कुमार जैन, अजमेर

अजमेर, 2 अक्टूबर, 2022। श्री शान्तिनाथ दिगम्बर जैन जिनालय, सर्वोदय कॉलोनी में भादवा उतार के वार्षिक कलशाभिषेक 2 अक्टूबर को मुनि श्री संबुद्ध सागर जी एवं संविज्ञ सागर जी महाराज के सान्निध्य में सम्पन्न हुए।

वार्षिक कलशाभिषेक एवं विमानोत्सव

तालबेहट (ललितपुर)। श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र पावागिरि जी में आचार्य विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य महान तपस्वी मुनिश्री 108 सरल सागर जी महाराज का 40वां दीक्षा दिवस एवं क्षमावाणी महापर्व मनाया गया। कार्यक्रम के शुभारम्भ में मंगलाचरण विनोद भैया वैरागी ने किया। मुनिश्री की भक्तिभाव के साथ पूजन अर्चना की गयी, श्रद्धालुओं ने पाद पृच्छालन कर शास्त्र भेंट किये एवं मंगल आरती उतारी। इस मौके पर मुनि सरल सागर जी महाराज ने धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि जब सांसारिक मोह माया से वैराग्य उत्पन्न हो जाये तब ही दीक्षा सार्थक होती है और दिगम्बरत्व को धारण किया जा सकता है तत्पश्चात् वार्षिक कलशाभिषेक, शांतिधारा की क्रियाएं सम्पन्न की गयीं।

अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान की प्रांतीय कार्यकारिणी का गठन एवं शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

कार्यक्रम में धर्म सिखाओ, धर्म बचाओ पर दिया जोर

राजाबाबू गोधा, संवाददाता

जयपुर में श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर झोटवाड़ा में आर्यिका 105 सौम्यनंदिनी जी माताजी ससंघ के पावन सान्निध्य में आचार्यश्री 108 वसुनंदी जी महाराज का 35वां दीक्षा दिवस जोर-शोर से मनाया गया।

कार्यक्रम में अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान राजस्थान प्रांत के पदाधिकारियों तथा झोटवाड़ा सकल दिगम्बर जैन समाज की अगुवाई में आचार्यश्री का विभिन्न कार्यक्रमों के तहत अष्ट द्रव्यों से पूजा अर्चना कर 35वां दीक्षा दिवस जोर-शोर से मनाया गया, इसी कार्यक्रम में आर्यिका श्री सौम्यनंदिनी जी माताजी के भी अर्घ्य चढ़ाए गए।

आचार्य 108 श्री वसुनंदी जी महाराज की पावन प्रेरणा से उनके दिशा निर्देशानुसार अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान राजस्थान प्रांत की कार्यकारिणी बनाने की घोषणा की गई तथा जनकपुरी दिगम्बर जैन मंदिर के अध्यक्ष पदम जैन बिलाला की कार्यक्षमता को देखते हुए नव गठित धर्म जागृति संस्थान राजस्थान का प्रांत अध्यक्ष बनाया गया तथा कार्यकारिणी का गठन कर शपथ ग्रहण समारोह आयोजित करने का आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में नवनियुक्त अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने अवगत् कराया कि उक्त संस्थान का उद्देश्य धर्म बचाओ-धर्म सिखाओ है। कार्यक्रम में पदम जैन बिलाला ने नवगठित कार्यकारिणी में शांति कुमार ममता जी सोगानी जापान, विरेन्द्र जी जैन अजमेर, रश्मिकांत सोनी जयपुर, रमेश चन्द जी गर्ग बोलखेड़ा, जे. के. जैन साहब कोटा वाले, शैलेन्द्र जी गोधा समाचार जगत जयपुर, राजेश जी गंगवाल लालसोट, प्रेमचंद जी छाबड़ा दौसा, ज्ञानचंद चंद जी जैन भौंच बस्सी तथा विमल कुमार जैन बाकलीवाल जयपुर झोटवाड़ा को संरक्षक बनाया गया है। इसी कड़ी में नवगठित कार्यकारिणी में अध्यक्ष पदम जैन बिलाला जनकपुरी जयपुर, कार्याध्यक्ष अनिल कुमार जी जैन पूर्व वरिष्ठ आई. पी. एस. जयपुर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन कुमार चौधरी जयपुर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजीव जी जैन लाखना वाले, महामंत्री सुनील कुमार पहाड़िया थडी मार्केट जयपुर, सह. महामंत्री संजय बड़जात्या कामां, मंत्री राजीव कुमार पाटनी झोटवाड़ा, कोषाध्यक्ष पंकज कुमार लुहाड़िया, थडी मार्केट जयपुर तथा सह कोषाध्यक्ष महेश काला जनकपुरी जयपुर को बनाया गया है। निर्मल कासलीवाल, जोधपुर, सुभाष पहाड़िया कुचामन, प्रकाश जैन टोंक, टीकम चंद जैन धौलपुर, कुंदनमल जैन अजमेर, ज्ञानेंद्र कुमार जैन जहाजपुर भीलवाड़ा, जयंतीलाल जैन उदयपुर झम्मनलाल जैन राजाखेड़ा, मुकेश जैन अलवर, हरक चंद जैन हमीरगढ़, चैनसुख शाह भीलवाड़ा, सुमत प्रकाश जैन महुआ, पंकज नवलखा जयपुर, अरूण शाह जयपुर गायत्री नगर, भागचंद जैन मित्रपुरा वाले दुर्गापुरा, कमल जी दीवान जयपुर, विनोद जी जयपुरिया सीकर सभी को उपाध्यक्ष तथा पी. आर. ओ. सुनील कुमार सेठी मालपुरा, धन कुमार जैन जनकपुरी, राकेश जी श्रीमाल बनाये गये हैं। राकेश गोदिका शाबाश इंडिया जयपुर, अंकुर जैन अलवर, हर्षित जैन राजस्थान पत्रिका जयपुर तथा राजाबाबू गोधा जैन गजट संवाददाता राजस्थान फागी को प्रचार-प्रसार मंत्री बनाया गया है।

दीपावली की हार्दिक शुभकामनायें

SUPERCON

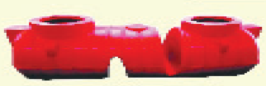

प्लास्टिक सेप्टिक टैंक

पॉलीथिलीन सेप्टिक टैंक बिना जोड़ की रोटो मोल्डिंग विधि द्वारा (One Piece) निर्मित हुआ है। अपशिष्ट की प्रोसेसिंग में इसकी डिजाइन एवं कच्चे माल (रॉ मैटेरियल) का महत्वपूर्ण रोल है। दीवारों की उचित मोटाई पृथ्वी के भार एवं दबाव के अनुसार बनाई गई है। वजन में हल्की होने के कारण कहीं भी ले जाने एवं लगाने में अत्यधिक सुविधाजनक है। विशेष प्रकार की पॉलीथिलीन एवं अन्य केमिकल के मिश्रण से निर्मित होने के कारण इसकी उम्र 50 वर्ष से अधिक ही है। जरूरत पड़ने पर एक जगह से निकालकर दूसरी जगह भी लगाया जा सकता है। प्रतिदिन टायलेट इस्तेमाल करने के लोगों की संख्या के अनुसार विभिन्न आकार में उपलब्ध है।

Technical Specification

S.No.	Models	Type 1	Type 2
1	MRP (in ₹)	15000.00	30000.00
2	No. of Users Per Day	12-15	25-30
3	Capacity	600 ltr	1200 ltr
4	Diameter	760mm	1020mm
5	Lenght	1930mm	2210mm
6	Thickness	10mm	10mm
7	No. of Chambers	3	3
8	No. of Manholes	2	2
9	Size of Manholes	320mm	320mm
10	Diameter of Inlet & Outlet pipe	110mm	110mm

सेप्टिक टैंक के लगाने की विधि

सेप्टिक टैंक की लम्बाई एवं चौड़ाई की नाप से लगभग चार/छः इंच चारों तरफ बड़ा गड्ढा खोदना चाहिए और टैंक की उंचाई से एक फुट ज्यादा गहरा गड्ढा होना चाहिए । गड्ढे की फर्श और दीवारों को समतल कर लेना चाहिए। फर्श पर छनी हुई साफ बालू की चार इंच मोटाई की तह बिछा कर सेप्टिक टैंक को रखना चाहिए । अब चारों तरफ से छनी हुई साफ बालू को आधी ऊंचाई तक भरना चाहिए ।

अब टैंक में आधी ऊंचाई तक पानी भर दें। सभी पाइपों को टैंक से जोड़ दें एवं गैस पाइप भी लगा दें। अब पूरा टैंक पानी से भर दें । अब बालू से बाकी खाली जगह मुंह तक भर दें ।अब मिट्टी डाल कर समतल कर लें। आपका सेप्टिक टैंक इस्तेमाल करने के लिए तैयार हो गया ।आउट लेट के पाइप को नाली या सोकपिट से जोड़ दें।

Office Address
17 A Neel Cottage, Maldahiya
Varanasi 221002

JAIN AGENCIES

Contact us
www.jainagencies.in
jainagencies3@gmail.com

प्रेरणा

24 वर्ष का इन्तजार-------- हो रहा साकार-----

अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी में

पंचकल्याणक: 24 से 28 नवंबर 2022

महामस्तकाभिषेक: 27 नवम्बर से 04 दिसम्बर 2022

परम पूज्य, वात्सल्य वारिधि, जिन धर्म प्रभावक, राष्ट्र गौरव आचार्य 108 वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में 24 वर्ष बाद चान्दनपुर वाले बाबा श्री महावीर जी का महामस्तकाभिषेक नवम्बर 2022 में होने जा रहा है, इस हेतु सौभाग्य आपको बुला रहा है। इन ऐतिहासिक पलों के आप साक्षी बनें एवं पुण्य अर्जित करें।

रत्नों से भी महंगी मनुष्य पर्याय है और इस पर्याय की सार्थकता धार्मिक कार्यों में रूचि रखने में है, श्री महावीर जी के महामस्तकाभिषेक में उपस्थित होने पर अक्षय पुण्य बन्ध का है -शेखरचन्द पाटनी

श्री वीरेन्द्र हेगड़े धर्मस्थल का व्यक्तित्व

जहां उपस्थित होते हैं वहां सब उनको प्यार करते हैं,
जहां से चले जाते हैं, सब उनको याद करते हैं।
जहां पहुंचने वाले होते हैं वहां सब उनका इन्तजार करते हैं।

श्री वीरेंद्र हेगड़े जी- आप भगवान महावीर महामस्तकाभिषेक महोत्सव समिति के परम शिरोमणि संरक्षक के पद को सुशोभित करते हैं।

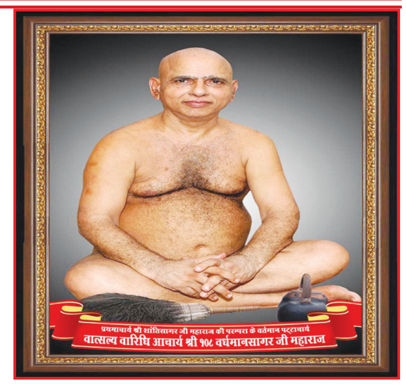

मार्गदर्शक

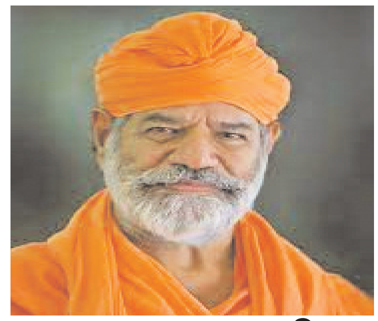

भट्टारक स्वामी
श्री चारूकीर्ति जी महाराज

पुण्यार्जक/नमनकर्ता: यह प्रकाशन निम्न दानवीरों की उदारता एवं उत्कृष्ट भावना से प्रकाशित हो रहे हैं।

वीरेन्द्र हेगड़े धर्मस्थल | राजेन्द्र कटारिया अहमदाबाद | गजराज जी गंगवाल दिल्ली | प्रकाश चंद्र बड़जात्या, चेन्नई | रत्नप्रभा सेठी गुवाहाटी | विनोद कुमार काला कोलकाता | एम. के. जैन चेन्नई | सरिता जैन चेन्नई | प्रदीप जैन आगरा | मीना जैन आगरा

मणीन्द्र जैन दिल्ली | हंसमुख गांधी इन्दौर | महावीर पाटनी मनीष मार्बल, मदुरई | एस.पी. जैन हैदराबाद | अनिल टोंग्या डीमापुर | चांदमल सेठी डीमापुर/बैंगलोर | पन्नालाल बैनाड़ा, आगरा | विवेक बैनाड़ा आगरा | श्रीमती मुन्नी देवी गंगवाल, सिल्चर | त्रिलोकचंद सेठी अध्यक्ष किशनगंज

ज्ञानचन्द छाबड़ा - रानोली (सीकर) | दीपचन्द छाबड़ा - रानोली (सीकर) | सन्त कुमार छाबड़ा - रानोली (सीकर) | अमरचन्द-सुषमा छाबड़ा -रानोली (सीकर) | महेंद्र कुमार छाबड़ा - रानोली (सीकर)

--- मदनगंज-किशनगढ़ के नमनकर्ता ---

विजय कुमार कासलीवाल कुचील वाले मदनगंज -किशनगढ़ | माणकचन्द गंगवाल कड़ेल वाले मदनगंज -किशनगंज | पारसमल पाण्ड्या उटड़ा वाले मदनगंज -किशनगढ़ | विनोद कुमार पाटनी अध्यक्ष श्री मुनि सुव्रतनाथ पंचायत | राजकुमार दोसी मदनगंज -किशनगढ़ | प्रकाशचन्द्र बोहरा मदनगंज -किशनगढ़ | रमेश सेठी-श्रीमती संतोष सेठी मेड़ता रोड | संजय पापड़ीवाल मदनगंज-किशनगढ | कमल कुमार बैद उटड़ा वाले मदनगजं -किशनगढ

--- शिलोंग के नमनकर्ता ---

प्रकाशचन्द सरला देवी पाटनी निवासी सुजानगढ़ प्रवासी शिलांग | श्री चन्द गंगवाल | श्रीमती राजकुमारी गगंवाल | हरकचन्द काला | श्रीमती पुष्पादेवी काला | गोवर्धन पहाड़िया | श्रीमती माया देवी पहाड़िया | श्रीमती बबीता बड़जात्या | अजय कुमार विनायका

विज्ञापन प्रेषक: R. K. Advertising द्वारा-शेखरचन्द पाटनी, जैन गजट राष्ट्रीय संवाददाता, मो. 09667168267 rkpatni777@gmail.com

श्री सम्मेदशिखर जी की 5555 यात्रियों की यात्रा भारी धर्म प्रभावना के साथ संपन्न

रमेश जैन, एडवोकेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली। श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थयात्रा संघ शक्तिनगर दिल्ली के तत्वावधान व पवन जैन गोधा के संयोजन में 5555 यात्रियों की 9वीं तीर्थराज श्री सम्मेदशिखर की यात्रा 7 से 10 अक्टूबर तक महत्ती धर्म प्रभावना के साथ निर्विघ्न संपन्न हुई। दिल्ली, एनसीआर, उ.प्र., हरियाणा, पंजाब, गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, कर्नाटक, तमिलनाडु, म.प्र., झारखंड, बिहार, प. बंगाल आदि सभी राज्यों से यात्री विभिन्न ट्रेनों, विमानों व गाड़ियों से शिखर जी पहुंचे।

सर्वप्रथम 8 अक्टूबर को दोपहर तेरापंथी कोठी के श्री पुष्पदंतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के विशाल प्रांगण में प्रतिष्ठाचार्य राजकिंग जैन व उपाध्याय श्री गुप्तिसागर जी की शिष्या बहन रंजना शास्त्री ने श्री सम्मेदशिखर जी विधान संगीत के साथ संपन्न कराया। जिसमें हजारों श्रावक-श्राविकाओं ने धोती-दुपट्टों व केशरिया साड़ियों में भाग लिया। शाम को निहारिका के भव्य व विशाल पंडाल में मुनिश्री प्रमाणसागर जी का विश्वभर में चर्चित कार्यक्रम शंका समाधान हुआ। पूरा मुनिसंघ विराजमान था। गुणायतन के अध्यक्ष विनोद काला ने विशिष्ट समाजसेवियों को सम्मानित किया। उन्हीं के साथ मैंने मुनिश्री को अपनी पुस्तक महापुरूषों के 151 प्रेरक प्रसंग भेंट की और शंका समाधान में पिछले दिनों यहां वंदना के दौरान म. प्र. के यात्री के निधन पर उनके शव को नीचे लाने व अपने घर ले जाने में आयी दिक्कत का जिक्र करते हुए सभी यात्रियों को यहीं पर अंतिम संस्कार करने की प्रेरणा देने की अपील की तो मुनिश्री ने इस बात का पूर्ण समर्थन करते हुए कहा कि यदि यही संस्कार किया जाए तो इससे अच्छी जगह और कहां मिलेगी। उसके बाद इसी पंडाल में मुनिश्री विशाल सागर जी के सान्निध्य में विभिन्न मांडलों पर 48-48 दीप प्रज्जवलित कर भक्तामर दीप महार्चना की गई। इस अवसर पर मशहूर बालीवुड सिंगर खुशबू जैन ने मधुर भजनों से हजारों दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। सभी यात्रियों को महावीर प्रसाद-सूर्यकांता जी इचलकरंजी द्वारा साम्रगी, टार्च, वंदना पुस्तक, डायरी, पैन, कैप, आई कार्ड आदि सभी सामान सहित सुंदर किट प्रदान की गई। अगले दिन 9 ता. को प्रातः 2 बजे से सभी यात्रियों ने तीर्थराज पर्वत की सभी 25 टोंकों की भावसहित वंदना की। गौतम स्वामी की टोंक पर कई मुनिराजों के दर्शन किये। अनेक यात्रियों ने पहली बार वंदना की। वंदना के समय बच्चों, महिलाओं, युवाओं व पुरूषों में भारी उत्साह देखने को मिला। रात्रि में पंडाल में रंगशाला इंदौर के कलाकारों ने साधना मादावत के निर्देशन में महासती चंदनबाला की वैराग्यमयी प्रेरक नृत्य नाटिका प्रस्तुत की।

अगले दिन 10 ता. को सुबह हजारों यात्रियों ने तेरापंथी कोठी से तमिलनाडु भवन तक तीर्थराज शिखर जी को पवित्र तीर्थ घोषित करने हेतु विशाल रैली निकाली, इस अवसर पर उपस्थित झारखंड की शिक्षा मंत्री अन्नपूर्णा देवी को इस आशय का ज्ञापन दिया गया। दोपहर में आयोजित समारोह में लगभग सभी 50 संयोजकों को सुंदर शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। पवन जैन गोधा को मुनि श्री प्रमाणसागर जी व अन्य संतों ने विशेष आशीर्वाद प्रदान किया। सभी यात्रियों ने तलहटी के तीस चौबीस, मध्य लोक, विमलसागर जी, भरत सागर जी, समोशरण, तेरापंथी व बीसपंथी कोठी, गुणायतन, त्रियोग आश्रम व अन्य अनेक मंदिरों के दर्शन किये। सहारनपुर, जांडखेडा, अंबाला, नोएडा, पीतमपुरा, रोहिणी, गाजियाबाद आदि से आए हमारे परिवार के 31 सदस्यों ने यात्रा संयोजक राहुल जैन गुड़गांव के निर्देशन में चौबीसी मंदिर में गणिनी आर्यिका ज्ञानमती माताजी के द्वारा निर्मित भव्य व विशाल श्री आदिनाथ मंदिर में 48 दीप प्रज्जवलित कर श्री भक्तामर दीप महार्चना संपन्न की। आचार्य पुण्यसागर जी, प्रसन्नसागरजी, प्रमुख सागर जी, विशद सागर जी संघ व अन्य अनेक मुनियों, आर्यिकाओं आदि के दर्शन किए। महाराष्ट्र से आए 30 डाक्टरों की टीम दिन रात जुटी रही। इस दौरान यहां कोई भी अनहोनी घटना नहीं घटी। मौसम भी बहुत सुहावना रहा। इस यात्रा में 1838 यात्रियों को बिल्कुल निःशुल्क यात्रा कराई गई और किसी को भी जरा सा भी महसूस नहीं होने दिया गया।

सभी यात्रियों के नाश्ते, दोपहर व शाम के भोजन की उत्तम व्यवस्था तेरापंथी कोठी के विशाल पंडाल में की गई थी। भोजन में विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट पदार्थ परोसे गए। वापसी में सभी यात्रियों को भोजन के पैकेट प्रदान किए गए। कानपुर में इस रूट से होकर आने वाली सभी ट्रेनों के यात्रियों को भोजन के बढ़िया पैकेट वीरेंद्र सोनी-रूकमणी सोनी परिवार प्रीतविहार दिल्ली द्वारा प्रदान किए गए। सभी कार्यक्रम आदिनाथ व जिनवाणी चैनल पर प्रसारित किए गए। इस यात्रा से देश भर में महती धर्मप्रभावना हुई और समाज के संगठन को विशेष बल मिला।

वर्णी संस्थान विकास सभा का अधिवेशन

डॉ. महेंद्र कुमार 'मनुज'

जयपुर। आचार्यश्री सुनील सागर के ससंघ के सान्निध्य में भट्टारक जी की नसियां, जयपुर में 'वर्णी संस्थान विकास सभा' का राष्ट्रीय अधिवेशन संपन्न हुआ। इसमें देश की शताधिक स्नातकों एवं देश के वरिष्ठ एवं वरिष्ठ विद्वान् डॉ. शीतलचंद जैन, डॉ. सनत कुमार जैन, डॉ. महेन्द्र कुमार जैन 'मनुज', डॉ. विमल जैन, डॉ. अखिल बंसल आदि की उपस्थिति में हुआ।

भ. महावीर का 2549 वां निर्वाणोत्सव

जन जन के आराध्य वर्तमान शासन नायक, अहिंसा के अवतार, भगवान महावीर स्वामी के 2549 वें निर्वाणोत्सव एवं दीप मालिका दीपावली के पावन स्वर्णिम सुअवसर पर सम्पूर्ण भारतवर्ष के श्रद्धालुओं को हृदय के गहन स्थल अन्तर्मन से

हार्दिक कोटिश :

बधाई एवं मंगल शुभकामनाएं सादर समर्पित,

दीपावली मंगलमयी हो

-: शुभाकांक्षी :-

रमेशचंद जैन तिजारिया
जयपुर
राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष
श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा, एफ-32, घीया मार्ग, बनी पार्क, जयपुर (राज.) मो. 8290950000

सुन्दरलाल जैन डागरिया
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
श्री भा. दिग. जैन महासभा
3/4 शाही काम्प्लेक्स नियर-बनवारी कल्याण परिषद, हिरण मगरी, सेक्टर-11, उदयपुर

संजय बी. पाटिल
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
श्री भा. दिग. जैन महासभा, स्नेह बिल्डिंग आदर्श नगर, बेलगाम
मो. 9448194050

पुनीत जैन
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा
नोएडा (उ. प्र.)

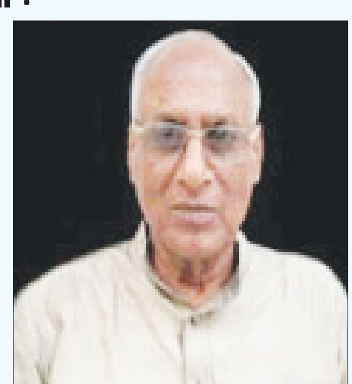

कुलभूषण जैन
राष्ट्रीय मंत्री
श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा
33, दामोदर पूरी बोजरिया मार्ग, सहारनपुर

गांधी जयंती पर हुई सर्वधर्म प्रार्थना सभा

गांधी जयंती पर आयोजित सर्वधर्म प्रार्थना सभा में डॉ. इन्दु जैन राष्ट्र गौरव ने प्राकृत भाषा में किया 'चउवीस तित्थयर थुदि' का पाठ

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 153वीं जन्म जयंती पर 'गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति' नई दिल्ली में 'सर्वधर्म प्रार्थना' एवं 'भक्ति संगीत' का आयोजन किया गया। 'अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस' पर अहिंसा का संदेश पूरे विश्व में गूंजा। इस कार्यक्रम में भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी, उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ जी, गांधी स्मृति के उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल जी, गांधी जी की पोती तारा गांधी जी एवं सभी विशिष्टजनों ने बापू की समाधि पर पुष्प अर्पित करके उन्हें नमन किया। 'सर्वधर्म प्रार्थना' में 'जैन प्रार्थना' के अंतर्गत आचार्य विद्यासागर जी महाराज के शिष्य मुनिश्री प्रणम्य सागर जी महाराज द्वारा प्राकृत भाषा में रचित 'चउवीस तित्थयर थुदि'' का डॉ. इन्दु जैन राष्ट्र गौरव द्वारा सस्वर पाठ किया गया। गांधी जयंती पर आयोजित संगीतमय भावांजलि, सर्वधर्म प्रार्थना एवं भक्ति संगीत का सीधा प्रसारण दूरदर्शन, आकाशवाणी के विभिन्न चैनल के माध्यम से जन-जन तक पहुंचा। सर्वधर्म प्रार्थना के अंतर्गत 'विश्व शांति' की भावना से 'जैन प्रार्थना' में डॉ. इन्दु जैन राष्ट्र गौरव द्वारा प्रस्तुत चौबीस तीर्थंकरों की स्तुति की गूंज दूरदर्शन के माध्यम से लाखों लोगों तक पहुंची।

अवतरण दिवस पर हुए अनेक धार्मिक कार्यक्रम

जैन गजट संवाददाता

टोंक में संत शिरोमणि आचार्य 108 विद्यासागर जी महाराज के 76वें अवतरण दिवस पर श्री दिगम्बर जैन नसिया में अनेक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। शरद पूर्णिमा के अवसर पर संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज एवं गणिनी आर्यिका 105 ज्ञानमति माताजी का जैन नसिया में अवतरण दिवस के अवसर पर प्रातःकाल अभिषेक, शांतिधारा के पश्चात् शांतिविधान का आयोजन किया गया।

शांतिविधान मंडल आयोजन का दृश्य

वार्षिक कलशाभिषेक

प्रकाश पाटनी, संवाददाता

भीलवाड़ा, 5 अक्टूबर। जमुना विहार स्थित सहस्त्रफणी पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर प्रांगण में मुनिश्री शुभम सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में वार्षिक कलशाभिषेक एवं सम्मान समारोह उत्साह पूर्वक संपन्न हुआ। विजयदशमी के दिन मुनिश्री के सान्निध्य में पदम चंद जैन टोंक वाले परिवार ने श्री जी का पंचामृत अभिषेक एवं शांतिधारा करने का सौभाग्य प्राप्त किया तथा महावीर प्रसाद अमित अंकित काला परिवार को माल लेने का सौभाग्य मिला।

विक्की जैन एवं फिल्म अभिनेत्री अंकिता लोखंडे जैन निर्यापक श्रमण मुनिश्री 108 वीरसागर जी महाराज से चर्चा करते हुए।

चिकलठाणा एरोड्रम का नाम एड मनिक्यचंदजी पहाड़े अंतर्राष्ट्रिय चिकलठाणा एरोड्रम करने की मांग

एम. सी. जैन, संवाददाता

हैदराबाद मुक्ति संग्राम के महान योद्धा, स्वतंत्रता सेनानी, औरंगाबाद के प्रथम विधायक, कांग्रेस के महान नेता, 1947 में औरंगाबाद के गुलमंडी पर रझाकर पुलिस ने लात, मुक्कों से मारा था, घोड़े से बांध कर घसीटते ले जाने से दांत तोड़ दिया फिर भी इस महान स्वतंत्रता योद्धा, हाथ में तिरंगा नहीं छोड़ा और भारत माता की जय नारा लगाते रहे। एड माणिकचंद जी पहाड़े के परिवार की हालत बहुत कमजोर हो जाने से आर्थिक विपन्नता होने से बच्चों के पढ़ाई का बोझ, आपसी रिश्तेदारों ने उठाया। ऐसे महान स्वतंत्रता योद्धा का नाम औरंगाबाद के चिकलठाणा एरोड्रम को 'एड मनिकचंद जी पहाडे अंतर्राष्ट्रीय एरोड्रम चिकलठाणा' करना, समय का तकाजा है।

1008 श्री भगवान महावीर के निर्वाण महोत्सव पर मिथ्यातम का नाश हो, सम्यकज्ञान की ज्योति से जीवन प्रकाशमय हो

-: शुभाकांक्षी:-

शुभ दीपावली

शुभ दीपावली

सुकुमाल-सुशीला देवी, धर्मचंद-प्रेम देवी सेठी
तेजस-दिव्यानसी एवं समस्त सेठी परिवार
धर्म अनजय नगर, विजयनगर,
कामरूप (आसाम) 781122
मो. 9435113384

SHRINIWASA
GROUP OF COMPANIES
TOTAL LOGISTIC SOLUTIONS

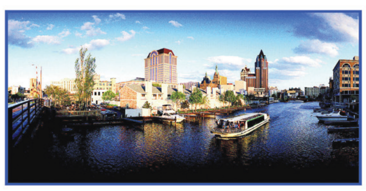

Shriniwasa Roadways (P) Ltd
Total Logistic Solutions

SHRINIWASA MARKETING & LOGISTICS PVT LTD

SHRINIWASA
ROAD CARRIERS (P) LTD

SOUTHERN CONTAINER
LEASING COMPANY

Connecting You to The Future

Corp. Off. 135, Poonamalee High Road, "Sapna Trade Centre" 5th Floor, Puruswalkam, Chennai - 600 084.
Phone No. : 40409900 (50 Lines) Email : chennai@shriniwasa.com Web : www.shriniwasa.com
Northern Regional off : 4743/23. Ansari Road, Daryaganj 2nd Floor, New Delhi 110 002. Tel : 011 49400400(30Lines)
East Zone Calcutta : (03) 2259 0223, West Zone Mumbai : (022) 27842959

भगवान महावीर स्वामी के 2549 वें निर्वाणोत्सव (दीपावली) पर समस्त जैन समाज को हार्दिक शुभकामनायें

विश्व में सर्वाधिक 1 अरब 35 करोड़ हिंदी भाषी लोग

कैलाश रारा

हिंदी दिवस के अवसर पर भारतीय भाषा अपनाओ अभियान के छ. ग. प्रांतीय संयोजक कैलाश रारा ने एक प्रेस नोट जारी कर बतलाया कि शोधकर्ता विद्वान डॉक्टर जयंती प्रसाद नौटियाल के अनुसार विश्व में सर्वाधिक हिंदी भाषा बोलने वाले लोग हैं, जिनकी संख्या 1 अरब 35 करोड़ है। केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा के 'फैक्ट चेकिंग' विशेषज्ञ विद्वानों के द्वारा भी इन आंकड़ों की पुष्टि की जा चुकी है। मैं देश एवं विदेश में स्थित समस्त हिन्दी प्रेमी भाइयों से निवेदन करता हूं कि हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलाने के लिए कृत संकल्पित हों। यह एक विडंबना ही है कि भारत जैसे विश्व के महान लोकतंत्र की आजादी के 75 वर्ष पश्चात् भी कोई अपनी राष्ट्रभाषा नहीं हैं जबकि दुनिया के छोटे-छोटे देशों की अपनी राष्ट्र भाषायें हैं। हिन्दी दिवस पर मेरी सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनायें एवं बधाई। उल्लेखनीय है कि श्री रारा पूर्व में हिन्दी को राष्ट्र भाषा का दर्जा दिलाने के लिए दिल्ली के जंतर-मंतर पर अपने मित्रों के साथ प्रदर्शन कर चुके हैं तथा आपकी यह भीष्म प्रतिज्ञा है कि जब तक मेरी हिन्दी को राष्ट्र भाषा का दर्जा नहीं मिल जाता तब तक मैं पलंग पर नहीं सोऊंगा।

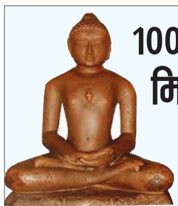

1008 श्री भगवान महावीर के निर्वाण महोत्सव पर मिथ्यातम का नाश हो, सम्यकज्ञान की ज्योति से जीवन प्रकाशमय हो

हार्दिक शुभकामनायें

-: शुभाकांक्षी :-

रमेशकुमार-गुणमाला

अभिषेक-रिषिका

आशीष-स्वाति,

अर्हम, सर्वज्ञ, अनिश्का काला

हैदराबाद

Jawarilal Ramesh Kumar Kala, Hydrabad

1008 श्री भगवान महावीर के निर्वाण महोत्सव पर मिथ्यातम का नाश हो, सम्यकज्ञान की ज्योति से जीवन प्रकाशमय हो

-: शुभाकांक्षी :-

इंजी. कैलाश चन्द्र जैन

महासचिव-बुन्देलखण्ड सांस्कृतिक एवं सामाजिक सहयोग परिषद्, लखनऊ, कोषाध्यक्ष-भारत विकास परिषद्, परमहंस शाखा, लखनऊ, कार्यकारिणी सदस्य-श्री दिगम्बर जैन मंदिर, इंदिरा नगर, लखनऊ, सदस्य - भारतीय जैन मिलन (साकेत) लखनऊ मो. 9415470146

निवास : 9/336, सेक्टर-9, इन्दिरा नगर, लखनऊ-226016

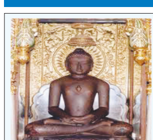

1008 श्री भगवान महावीर के निर्वाण महोत्सव पर मिथ्यातम का नाश हो, सम्यकज्ञान की ज्योति से जीवन प्रकाशमय हो

हार्दिक शुभकामनायें

एम. सी. जैन, पत्रकार, सौ. हेमलता एम जैन,

प्रा. डॉ. राजेश एम पाटणी, सौ. डॉ. स्नेहल आर पाटणी, दिनेश एम पाटणी, सौ. मंजुषा दि पाटणी,

सौ. डॉ. प्रीती आ. टड़ैया, मुम्बई ,

प्रीतेश आर पाटणी, प्रतिक डी पाटणी

चिकलठाणा (औरंगाबाद) महाराष्ट्र

भगवान महावीर का 2549वां निर्वाण दिवस दीपावली का पावन पर्व एवं आज से प्रारंभ होने वाला नव वर्ष सभी के लिए शुभ और मंगलमय हो शुभ और मंगलमय हो

भारतीय नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

-: शुभकामना संप्रेषक:-

रतनलाल किरनलता गंगवाल

बी-34, सुभाषनगर, शास्त्रीनगर, जयपुर-302016 मो. 9414795796

अतिशय, जन्म, समाधि, दीक्षा स्थली शान्तिवीर नगर

श्री महावीर जी में हुई चार आर्यिका दीक्षाएं

राजेश पंचोलिया, इन्दौर

साधना दीदी बनी आर्यिका श्री निर्मोहमति जी, नेहा दीदी बनी आर्यिका श्री विश्वयश मति जी, दीप्ती दीदी बनी पदमयशमति जी, पूनम दीदी बनीं आर्यिका श्री दिव्य यश मति जी।

आर्यिकाश्री श्री निर्मोहमति माताजी

आर्यिकाश्री श्री विश्वयशमति माताजी

आर्यिकाश्री श्री पद्मयशमति माताजी

आर्यिकाश्री श्री दिव्ययशमति माताजी

श्री महावीर जी। राजस्थान सरकार के राजकीय अतिथि 73 वर्षीय वात्सल्य वारिधि पंचम पट्टाधीश आचार्यश्री वर्द्धमान सागर जी संयम वर्ष का 54वां वर्षायोग 30 साधुओं सहित अतिशय क्षेत्र महावीर जी में कर रहे हैं।

इस बेला में दिनांक 5 अक्टूबर, 2022 को 7 प्रतिमाधारी साधना दीदी वर्ष 60 का आर्यिका दीक्षा के बाद नूतन नाम आर्यिका श्री निर्मोहमति जी, बाल ब्रह्मचारिणी नेहा दीदी 36 वर्ष का नूतन नाम 105 आर्यिकाश्री विश्वयशमति जी माताजी नामकरण किया गया। 26 वर्षीय सनावद निवासी 26 वर्षीय दीप्ति दीदी का नाम आर्यिका श्री पदमयशमति जी तथा 26 वर्षीय बाल ब्रह्मचारिणी पूनम दीदी का नाम आर्यिका श्री दिव्य यशमति जी किया गया। दीक्षार्थियों ने आचार्य श्री से दीक्षा की याचना की तथा आचार्यश्री एवं समस्त साधुओं, दीदी भैया, श्रावक-श्राविकाओं तथा समाज से क्षमा याचना की। वात्सल्य वारिधि आचार्यश्री वर्द्धमान सागर जी के प्रवचन हुए। इस बेला में आचार्यश्री के द्वारा दीक्षार्थी के पंच मुष्ठी केशलोंच किय गये तथा दीक्षा संस्कार मस्तक तथा हाथों पर किये गए। इसके बाद पुण्यार्जक गृहस्थ अवस्था परिवारों द्वारा नूतन आर्यिकाश्री जी को पिच्छी कमंडल शास्त्र वस्त्र भेंट किये। कार्यक्रम का सुंदर एवं प्रभावशाली संचालन श्री प्रशांत जैन जबलपुर ने किया। आर्यिकाश्री निर्मोहमति माताजी को पिच्छी भेंट करने का सौभाग्य पूर्व परिवार समर पुरवा स्पर्श प्रमथेष सावन निर्मल जी को प्राप्त हुआ। कमंडल अजय राजेश पंचोलिया, संगीता आरती सनत कुमार जी मीना प्रधान कांतिलाल खंडवा को प्राप्त हुआ। वस्त्र गजू भैया संजय पापड़ीवाल महेंद्र पाटनी विनोद कुमार कुवैत आदि द्वारा भेंट किए गए। धर्म के माता-पिता बनने का सौभाग्य समर कंठाली एवं पूर्वा को प्राप्त हुआ। आर्यिकाश्री विश्वयशमति माताजी को पिच्छी राकेश जैन, सरिता जैन, राहुल, रूपाली जैन, निधि, नितिन जैन द्वारा दी गई। कमंडल नरेश जैन, सरिता जैन अजमेर द्वारा, शास्त्र अनुज जैन पायल जैन सतीश जैन गुड़गांव द्वारा दिए गए, वस्त्र सुरेंद्र जैन सविता जैन द्वारा दिए गए। धर्म के माता-पिता बनने का सौभाग्य पूर्व जन्म की माता सरिता एवं राकेश जैन दिल्ली को प्राप्त हुआ। आर्यिका श्री पदमयश मति माताजी के माता-पिता बनने का सौभाग्य अविनाश भारती जैन सनावद को, पीच्छी भेंट करने का सौभाग्य मनोरमा शोभा स्वस्ति कुमारी हर्षिता को प्राप्त हुआ। कमंडल श्रीमती रानी शैलेंद्र जैन द्वारा, शास्त्र विमल जैन डिसेंट वाला जैन द्वारा भेंट किए गए, वस्त्र पारस जैन अमित जैन संजय जैन द्वारा दिए गए। आर्यिकाश्री दिव्ययशमति माताजी को पिच्छी कनकलता जैन कोटा तथा संगीता पंचोलिया इंदौर द्वारा भेंट किए गए। कमंडल पदम कुमार, विनय कुमार, विजय कुमार अजमेरा टोडारायसिंह द्वारा, शास्त्र श्री दिलीप कुमार सुशीला जी कासलीवाल जयपुर, श्रीमती रत्ना देवी सोमानी तथा कन्हैया लाल पदमा जी द्वारा भेंट किए गए, वस्त्र श्रीमती मेघा महावीर जी बिलाला, श्रीमती नेहा प्रियंक सिंघई, श्रीमती वर्षा रजनीश छाबड़ा एवं धर्म चंद जी जैन गुरू जी सीकर द्वारा भेंट किए गए। धर्म के माता-पिता बनने का सौभाग्य श्री हेमचंद जी मीना बनेठा मामा-मामी को प्राप्त हुआ।

शोक समाचार

दिल्ली। श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा की राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री श्रीमती सुनिता काला के पति श्री सुरेश काला का देवलोक गमन हो गया है। श्री सुरेश काला जी की देव-शास्त्र-गुरू के प्रति निष्ठा और मुनिभक्ति सराहनीय थी। वे समाजसेवा और मुनियों की वैय्यावृत्ति करते थे। उन्होंने अपनी बहुमूल्य सेवायें समाज को प्रदान कीं, जो हमेशा ही याद की जायेंगी। वे बहुत ही सरल स्वभावी और मिलनसार व्यक्ति थे।

अट्ठतीसवीं पुण्यतिथि पर भावपूर्ण हार्दिक श्रद्धांजलि

स्व. श्री आनन्दीलाल जी बाकलीवाल

(स्वर्गवास: 20-10-1984)

याद आपकी आती है, अरू आंखें भर-भर जाती हैं, प्रतिदिन स्मरण आपका हम करते हैं
जो मार्ग प्रशस्त किया था आपने, उस मार्ग पर चलने का प्रण आज हम करते हैं।

-: श्रद्धावनत :-

तारामणी (धर्मपत्नी)

पुत्र-पुत्रवधू: अशोक-सुनीता, अजय, मनोज-अलका,

अरविन्द-सीमा, पौत्री: अंजूला, अनमोल, राशि,

पौत्र: रजत बाकलीवाल पुत्री: सीमा, दोयती: शिखा (U.S.A)

पौत्री-पौत्री दामाद: मोनिका-रोबिन जी छाबड़ा (सूरत), निशा-अतुल जी (कोलकाता) पड़ दोहिता - मोक्ष, काव्य

फर्म :- आनन्दीलाल अशोककुमार बाकलीवाल

14-2-332/5. (Ist Floor) BEHIND COMMUNITY HALL

GYANBAGH COLONY, HYDERABAD-500012 (Telangana)

Phone: 040-24613535 Cell No. 9581333001, 9000000375, 8309428886

Email : manojjainhyd@rediffmail.com

इंडियन बैंक के एम. डी. शान्तिलाल जैन 'जैन बैंकर्स रत्न' से सम्मानित

इंडियन बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी शांतिलाल जैन को अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम, जयपुर द्वारा यूनीक्लेन हेल्थ केयर बगरू में आयोजित एक सादा समारोह में जैन बैंकर्स रत्न की उपाधि से सम्मानित किया गया, जिसकी घोषणा मार्च के जैन बैंकर्स अधिवेशन में की गयी थी। कार्याध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि इस अवसर पर जयपुर बैंकर्स फोरम जयपुर की ओर से अध्यक्ष भागचंद जैन, कोषाध्यक्ष कमलचंद जैन, संयुक्त सचिव निहालचंद जैन, ओ. पी. जैन, सुकेश जैन, शिखा जैन आदि ने समाज गौरव जैन को तिलक, माला, शॉल, साफा पहनाकर प्रशस्ति पत्र भेंट किया साथ ही भगवान मुनिसुव्रत नाथ का मनोज्ञ चित्र दिया गया। समारोह में एच एस मेहता, बसंत पाटनी, अमित मेहता, जय कुमार जैन कोटा वाले तथा इंडीयन बैंक के जी एम रविंद्र सिंह व जेड एम जगदीश आदि ने शिरकत की।

जतारा में आचार्य विद्यासागर जी एवं आर्यिका ज्ञानमती माताजी का अवतरण दिवस धूमधाम से मनाया गया

अशोक जैन, संवाददाता

जतारा (टीकमगढ़)। नगर के श्री पारसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर परिसर में शरद पूर्णिमा के पावन दिवस पर परम पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का 76वां एवं आर्यिका 105 श्री ज्ञानमती माताजी का 89वां अवतरण दिवस धूमधाम से संपन्न किया गया जिसमें नगर में चातुर्मास कर रहे पूज्य मुनि आचरण सागर जी महाराज, पूज्य क्षुल्लक व्रत सागर जी महाराज ससंघ का सानिध्य प्राप्त रहा। इस अवसर पर नगर की ब्रह्मचारिणी बहनें प्रज्ञा दीदी, अदिति दीदी, हरिश्चंद जैन, गजरा मांची, पवन मोदी, सुनील बंसल, राजीव मोदी, संजीव मांची, मुकेश जैन बड़े, धीरेंद्र प्रेस, अनुराग कंजना, प्रदीप टानगा, ज्योति सगरबारा, शोभा रामगढ़, वर्षा शेफाली, साक्षी, आकृति सहित भारतीय जैन संगठन, विमर्श जागृति महिला मंच, गुरू मां भक्त महिला मंडल, पाठशाला परिवार के सदस्यों सहित सैकड़ों की संख्या में श्रावक, श्राविकाऐं उपस्थित रहे।

दहमी कलां में महामृत्युंजय विधान

दो महासंतों की मनाई जन्म जयंती

जैन गजट संवाददाता

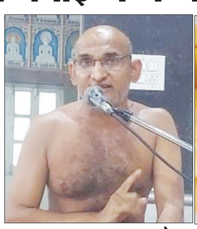

प्राचीन ऋषभदेव दिगम्बर जैन मंदिर दहमी कलां में आचार्य नवीन नंदी गुरूदेव के सानिध्य में महामृत्युंजय विधान महामंडल की महाआराधना व महापूजा पहली बार मंडल पर की गई, मंदिर समिति के महामंत्री प्रमोद बाकलीवाल ने बताया कि आज के पुण्यार्जक बनने का सौभाग्य प्रकाशचंद्र जी रानी जैन झांझरी, अभिषेक करिश्मा, राहुल कविता, अवि, अन्व जैन झांझरी परिवार महलां को प्राप्त हुआ। आचार्यश्री ने महामृत्युंजय विधान का महत्व बताया। प्रबंध कार्यकारिणी समिति के मंत्री मनोज पाटनी ने बताया कि शरद पूर्णिमा रवि पूर्णिमा पर समाज के दो महा संत आचार्य विद्या सागर जी महाराज एवं साध्वी गणिनि आर्यिका ज्ञानमती माताजी की जन्म जयंती मनाई गई।

कुमारी सौम्या नारद 'जैन श्री' उपाधि से सम्मानित

डी. सी. जैन

इंदौर। विगत् दिनों इंदौर के रविंद्र नाट्य गृह में इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ जैन फोरम इंदौर द्वारा जैन मुनि आदित्य सागर जी महाराज एवं श्वेताम्बर मुनि संघ के सानिध्य में दिगम्बर एवं श्वेताम्बर जैन समाज इंदौर के गणमान्य पदाधिकारियों द्वारा पर्युषण के दौरान 10 उपवास से ज्यादा उपवास करने वाले समाजजनों को सम्मानित किया गया। इसी कार्यक्रम में 10 उपवास की तप साधना करने पर कुमारी सौम्या नारद का सम्मान करते हुये उन्हें जैन श्री की उपाधि से अलंकृत किया गया।

|| पुस्तक समीक्षा ||

पुस्तक का नाम: सुखनेच्या तिरावर, **लेखक:** श्री एम. सी. जैन चिकलठाणा, **प्रकाशक:** डा. प्रा. राजेश एम. पाटनी (एम.डी.) दिनेश कुमार पाटनी (डी. फार्मा) चिकलठाणा, औरंगाबाद (महाराष्ट्र) मूल्य 151 रूपये

सुखनेच्या तिरावर पुस्तक के लेखक श्री एम. के. जैन अनेक पत्र-पत्रिकाओं में एवं मराठी-हिन्दी अखबारों के वरिष्ठ पत्रकार, सम्पादक एवं लेखक हैं। पिछले 30 वर्षों से आप आचार्य देवनन्दी जी महाराज के परम भक्त हैं। आपके द्वारा अभी तक कचनेर दर्शन, प्रज्ञाश्रमण देवनन्दी जी, मेरी आवाज, जैनगिरी जटवाडा, लालमाती, निर्भीक पत्रकारिता, मंगल धर्म और प्रवचन माला आदि अनेक पुस्तकें लिखी गई हैं। समीक्ष्य कृति सुखनेच्या तिरावर एक अति संग्रहणीय पुस्तक है जो अबाल वृद्धों को प्रेरणा के स्रोत स्वरूप धार्मिक मार्गदर्शन देगी। आपके द्वारा किए गए बहुमूल्य कार्यो के लिए समाज सदैव आपका कृतज्ञ रहेगा। आपकी निर्भीक पत्रकारिता एवं स्पष्टवादिता प्रतिकात्मक लेखन के लिए हम आपको हार्दिक धन्यवाद देते हैं, पुस्तक पठनीय एवं संग्रहणीय है।

- कपूरचन्द पाटनी, सम्पादक जैन गजट

रक्तदान शिविर

संजय कुमार जैन बड़जात्या

सन्मतिनगर (मुर्शिदाबाद प.ब.)। आचार्य गुरूवर शीतल सागर जी महाराज के आशीर्वाद तथा प्रेरणा से दिनांक 25.09.2022 को सन्मति नगर जैन समाज द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। इस शिविर में सबसे बड़ी बात यह थी कि 80 प्रतिशत नये रक्तदाता थे जो जैन समाज के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि थी। सन्मति नगर दिगम्बर जैन महिला समाज ने रक्तदान देकर जैन समाज का मान बढ़ाया। पश्चिम बंगाल के विद्युत मंत्री ने शिविर का उद्घाटन किया। शिविर को सफल बनाने हेतु रक्तदाता रितेश सेठी, रोहित सेठी, दीपक सेठी, अभिजीत सेठी, कौशल सेठी व शुभम सेठी आदि ने काफी मेहनत की।

68 फीसदी दूध खाद्य उत्पाद नियंत्रक संस्था के मापदंडों पर खरा नहीं

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान और प्रोद्योगिकी मंत्री डॉ. हषवर्धन के मुताबिक देश में तीन में से दो लोग डिटर्जेंट, कॉस्टिक सोडा, यूरिया और पेंट वाला दूध पीते हैं। देश में बिकने वाला 68 फीसदी दूध खाद्य उत्पाद नियंत्रक संस्था एफएसएसएआई के मापदंडों पर खरा नहीं उतरता है। एफएसएसएआई के ताजा सर्वेक्षण के मुताबिक दूध में पानी की मिलावट सबसे ज्यादा होती है, जिससे इसकी पौष्टिकता कम हो जाती है।

डाक्टर्स सम्मान समारोह आयोजित

राजाबाबू गोधा, संवाददाता

जयपुर शहर की पाश कॉलोनी श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर के तलघर में समाज की तरफसे चल रहे भगवान महावीर चिकित्सालय में नि:शुल्क सेवाएं देने वाले 20 विशेषज्ञ चिकित्सकों का मंदिर समिति द्वारा भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष श्री अनिल जैन ने बताया कि गांधी जयंती के अवसर पर रविवार दिनांक 2 अक्टूबर, 2022 को महावीर नगर दिगम्बर जैन मंदिर समिति के तत्वावधान में समाज की विशाल गोठ एवं डॉक्टर्स सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया, मंत्री श्री सुनील बज ने बताया कि गोठ के पश्चात् डांडिया महोत्सव का भी आयोजन किया गया जिसमें समाज के बच्चों और महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और बहुत आनंद लिया। यहां नित्य चलने वाले धर्मार्थ चिकित्सालय के प्रभारी श्री नीरज गंगवाल ने बताया कि यहां सेवाएं देने वाले सभी 20 विशेषज्ञ चिकित्सकों का समारोह के मुख्य अतिथि डॉक्टर राजीव बगरहट्टा, प्राचार्य एस. एम. एस मेडिकल कॉलेज जयपुर एवं जयपुर उप महापौर श्री पुनीत कर्णावट द्वारा समाज के सहयोग से भव्य स्वागत सम्मान किया गया। समारोह में समाज के श्री सुरेन्द्र पाण्ड्या, अशोक जी, महावीर जी गोदिका, जंबू जी जैन, हरीश जी धारूका, सुरेश जी सोगानी, अजय जी कटारिया, मनोज जैन, गिरीश बाकलीवाल, पवन जैन, चक्रेश जैन सहित कई अन्य विशिष्टजनों ने कार्यक्रम में शिरकत कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

सांगानेर दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर की मीटिंग घेर के मंदिर में हुई सम्पन्न

राजाबाबू गोधा, संवाददाता

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर जयपुर की 35वीं मीटिंग सांगानेर के घेर के मंदिर जी में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम में सर्वप्रथम सभी सदस्यों ने सांगानेर घेर के मंदिर जी पहुंचकर भक्तामर का पाठ किया, मंगलाचरण डॉ. शान्ति जैन 'मणि', कल्पना बैद, मंजू बड़जात्या, पुष्पाजी कासलीवाल व नवरतन जी ने किया। इसके बाद भगवान के चित्र का अनावरण श्रीमती नवरतन ठोलिया ने किया और दीप प्रज्वलित श्री सुरेश- आभा गंगवाल ने किया। ग्रुप अध्यक्ष डॉ. एम. एल. जैन 'मणि' ने सभी सदस्यों का स्वागत किया तथा सभी सदस्यों ने क्षमावाणी पर्व पर गत् वर्ष में जाने-अनजाने में हुई गल्तियों के लिए एक दूसरे से क्षमायाचना की तथा सभी को क्षमा किया। इसके बाद धार्मिक हाऊजी खिलाई गई व बीच-बीच में डॉ. मणि ने धार्मिक प्रश्न मंच भी किया। समापन के बाद स्वरूचि पूर्ण भोजन कार्यक्रम का शानदार रखा गया।

पुस्तक समीक्षा

अष्टपाहुड का प्रथम अंग्रेजी अनुवाद

विजया एम. कोटेचा, चेन्नई-600053

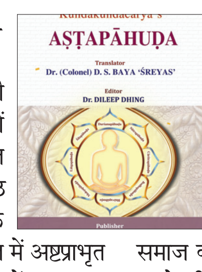

आचार्य कुन्दकुन्द ने शौरसेनी प्राकृत भाषा में अनेक श्रेष्ठ ग्रंथों की रचना की। उनकी चर्चित रचनाओं में अष्टपाहुड भी है। आठ विषयों की आठ पुस्तकों को एक साथ प्राकृत में अट्ठपाहुड, संस्कृत में अष्टप्राभृत या संस्कृत-प्राकृत मिश्रित भाषा में अष्टपाहुड कहते हैं। अष्टपाहुड के विषयानुसार नाम इस प्रकार हैं- दर्शन, चारित्र, सूत्र, बोध, भाव, लिंग, शील और मोक्ष पाहुड। इन आठ पाहुडों में कुल 503 गाथाएँ हैं। अष्टपाहुड का हिंदी अनुवाद पहले उपलब्ध था। लेकिन अंग्रेजी में नहीं था। इसका प्रथम अंग्रेजी अनुवाद गणेश ललवाणी सम्मान से सम्मानित विद्वान सेवानिवृत कर्नल डॉ. दलपतसिंह बया (उदयपुर) ने किया है। सुबोध, सरल अंग्रेजी में किया गया यह अनुवाद मूल गाथाओं के अनुसार है। आचार्य हस्ती स्मृति सम्मान, कुन्दकुन्द ज्ञानपीठ पुरस्कार आदि से सम्मानित जैनविद्या मनीषी डॉ. दिलीप धींग के संपादन में यह अनुवाद अभुषा फाउंडेशन, चेन्नई से पहली बार प्रकाशित हुआ है। फाउंडेशन के चेयरमैन श्री अभय श्री श्रीमाल जैन ने अपने प्रकाशकीय में अष्टपाहुड को ज्ञान के आठ रंगीन फूलों का सुरभित गुलदस्ता बताया है। अष्टपाहुड की गाथाएँ व्यक्ति और समाज को भीतर व बाहर से सम तथा समग्र बनने की प्रेरणा देती है। आध्यात्मिक चेतना के विकास में अष्टपाहुड अनुपम है। अनुवादक की लम्बी प्रस्तावना के साथ 408 पृष्ठीय इस पुस्तक की विशेषता यह है कि इसमें प्राकृत की मूल गाथाएँ देवनागरी लिपि में दी गई हैं। कुछ विभिन्न ग्रंथों में उपलब्ध समान गाथाओं का तुलनात्मक सारिणी तथा परिशिष्ट में पारिभाषिक शब्दों के अर्थ भी दिये हैं। यह ग्रंथ शोधार्थियों, विद्यार्थियों सहित सभी श्रेणियों के पाठकों के लिए उपयोगी है। यह अभिनव ग्रंथ प्राप्त करने के लिए संपादक के ईमेल drdhing@gmail.com पर या प्रकाशक के ईमेल abhaya@abushaims.com पर संपर्क किया जा सकता है।

पंचम काल में चतुर्थकालीन चर्या वाले मुनिश्री सिद्धान्त सागरजी महाराज

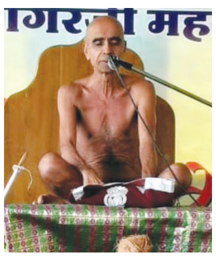

47 साल से दीक्षित, निमित ज्ञानी आचार्यश्री विमल सागर जी के परम प्रभावक शिष्य मुनिश्री सिद्धान्त सागर जी का 39 वां आदर्श चातुर्मास इंदौर के गोम्मटगिरी के पीछे शिमला फार्म्स में बड़जात्या फार्म हाउस पर बहुत ही तपस्या, साधना, सादगी से चल रहा है। मुनिश्री प्रतिदिन एक घण्टे आहारचर्या, एक घण्टे तत्वचर्चा के बाद 22 घण्टे एक ऐसे रूम में साधना करते हैं जिसमें एक सुई भी नहीं है, न पटिया, न चटाई, न तख्त, न आलमारी, न कोई वस्तु सिर्फ और सिर्फ फर्श पर ही 22 घण्टे सामायिक, प्रतिक्रमण, मंत्र, माला, जाप और कुछ देर आराम करते हैं। लाइट पंखे का उपयोग नहीं करते हैं। 46 चातुर्मास दीक्षा के और 38 चातुर्मास मुनि अवस्था के देश के हर प्रदेश में हो चुके हैं। पूरे देश में भ्रमण में भी कोई परिग्रह साथ में नहीं रखते हैं, जहां समाज का घर मिलेगा वहीं आहार लेते लेते हैं। कई बार 200 किमी चलने के बाद आहारचर्या हुई है। एक बार दर्शन कर आशीर्वाद जरूर प्राप्त करें। स्थानः गोम्मटगिरी के पीछे अरिहन्त नगर बड़जात्या फार्महाउस। समयः सुबह 10 से 12 सिर्फ सम्पर्क सूत्रः प्रदीप बड़जात्या मो. 8770133122।

श्री धर्मवीर जैन लखनऊ सम्मानित

दिनांक 10 अक्टूबर, 2022 को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, विवेक खंड, गोमती नगर, लखनऊ में इंडियन रोड कांग्रेस (आई. आर.सी.) के 81वें सत्र में आई. आर. सी. के वरिष्ठतम सदस्य श्री धर्मवीर जैन (इंदिरा नगर, लखनऊ), भूतपूर्व प्रमुख अभियंता, उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग को उनकी विशेष उपलब्धियों हेतु आई. आर. सी. के सभापति व अन्य सदस्यों ने शॉल ओढ़ाकर व स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।

जय भारत की गूंज पिंक सिटी प्रेस क्लब में गूंजी

जयपुर में पिंक सिटी प्रेस क्लब में पत्रकार सम्मेलन का आयोजन

जयपुर। गत 12 अक्टूबर, 2022 को जयपुर के पिंक सिटी प्रेस क्लब में पत्रकार सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें पत्रकारों का जवाब देते हुए मैं भारत हूं फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार जैन ने कहा कि 135 करोड़ भारतीयों के देश को 2 नहीं 3 नामों से जाना जाता है। भारत और INDIA जबकि हिन्दुस्तान तो घरेलु नाम है क्योंकि यह संवैधानिक नहीं है। मैं भारत हूं फाउंडेशन का उद्देश्य मात्र एक ही है कि भारत को केवल 'भारत' ही बोले INDIA नहीं क्योंकि जब एक इंसान के नाम संवैधानिक 2 नहीं होते तो हमारे देश के 2 नाम क्यों भरत और INDIA । उपस्थित पत्रकारों ने भी जोरदार **'जय भारत'** का नारा लगाया और कहा कि हम भारत को 'भारत' ही बोलेंगे।

आगामी आयोजन

जैन राजनैतिक चेतना मंच का अधिवेशन 6 नवम्बर को

जैन राजनैतिक चेतना मंच का राष्ट्रीय अधिवेशन रविवार 6 नवम्बर, 2022 को त्रिलोक तीर्थधाम बड़गांव बागपत (उ.प्र.) में आयोजित किया गया है। मुख्य अतिथि श्री प्रदीप जैन आदित्य-पूर्व केंद्रीय मंत्री, अध्यक्षता श्री गजराज जी गंगवाल-राष्ट्रीय अध्यक्ष, विशेष उपस्थिति श्री प्रकाशचंद जी बड़जात्या-राष्ट्रीय महामंत्री महासभा होंगे। कार्यक्रम में अपने उपस्थित रहने की सहमति आवश्यक रूप से मंच के सचिव सुमित जैन को मोबाईल 9899510701 पर काल करके/मैसेज/व्हाट्सएप द्वारा देवें जिससे आपके निवास, भोजन आदि तथा दिल्ली से बड़गांव ले जाने की समुचित व्यवस्था की जा सके। यह जानकारी ललित जैन, राष्ट्रीय महामंत्री जैन राजनैतिक चेतना मंच ने प्रदान की है।

कचनेर में पंचकल्याणक

श्री 1008 दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र कचनेर जी (महा.) में श्री मज्जिनेन्द्र पार्श्वनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव दिनांक 17.11.2022 से 22.11.2022 तक होगा। पावन सान्निध्य - परम पूज्य बालयोगी आचार्य सौभाग्यसागर जी महाराज का रहेगा।

महावीर निर्वाण महोत्सव

श्री दिगम्बर जैन प्राचीन बड़ा मंदिर हस्तिनापुर में अतिशयकारी भ. महावीर की प्रतिमा (महावीर जिनालय) के समक्ष 25 अक्टूबर, 2022 को भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाने का सौभाग्य प्राप्त होगा।

सिद्धचक्र विधान

श्री 1008 सिद्धचक्र महामण्डल विधान विश्वशांति महायज्ञ श्री 1008 भगवान चंद्रप्रभु जिनालय, दि. जैन अतिशय क्षेत्र हटाजी, जिला-टीकमगढ़ (म.प्र.) में दिनांक 01 नवम्बर, 2022 तक होगा।

श्रुत संवर्धिनी महासभा महाराष्ट्र प्रांत ने किया पाठशालाओं का शुभारंभ

महाराष्ट्र प्रांतीय श्रुत संवर्धिनी महासभा की नवगठित कार्यकारिणी ने चिंचवड़ पुणे स्थित पारस भवन में श्री सुपार्श्वनाथ पाठशाला का शुभारंभ 30 बच्चों के साथ हुआ। उद्घाटन समारोह श्रुत संवर्धिनी महासभा, नागपुर विभाग की नवनिर्वाचित उपाध्यक्षा श्राविकारत्न सौ. विजया जी ठोलिया के करकमलों द्वारा तथा नंदकुमार जी ठोले इनकी अध्यक्षता तथा श्री महेंद्र जी गंगवाल, उपाध्यक्ष पुणे विभाग के संचालन में संपन्न हुआ। श्री देवेंद्र जी बाकलीवाल, महामंत्री श्रुत संवर्धिनी ने पाठशाला का महत्व बताया। श्री सुनील जी कटारिया ने उपस्थित सभी को धन्यवाद देते हुए स्वागत किया। संदेश जी गंगवाल ने आभार प्रदर्शन किया, पहले दिन उपस्थित तीस बच्चों को उपहार स्वरूप पाठशाला किट का वितरण किया गया। इस शुभारंभ कार्यक्रम में सकल दिगम्बर समाज के श्रेष्ठि सम्माननीय ट्रस्टीगण, समाज श्रेष्ठी उपस्थित रहे और उन्होंने श्री सुपार्श्वनाथ पाठशाला समिति तथा पारस भवन ट्रस्ट के इस उपक्रम की सराहना की। पाठशाला समिति के श्री अमित जी पाटनी, अजय जी लोहाड़े, कोमल जी पाटनी, मंजू जी चूड़ीवाल, सुवर्णाजी लोहाड़े ने विशेष परिश्रम लिया।

रेवती रेंज प्रतिभा स्थली पर हुआ आर्यिका पूर्णमति माता का मंगल प्रवेश

इन्दौर। दयोदय चैरिटेबल फाउण्डेशन ट्रस्ट द्वारा रेवती रेंज प्रतिभास्थली पर दो दिवसीय महोत्सव की शुरूआत हुई। सुबह 6.30 बजे सांवेर से आर्यिका पूर्णमति माताजी ने अपने श्रीसंघ के साथ प्रतिभा स्थली पहुंचकर अपने गुरू आचार्य विद्यासागर महाराज का स्वप्न साकार किया। प्रतिभा स्थली पर सैकड़ों समाजजनों ने आर्यिका पूर्णमति माता की अगवानी की।

स्वागत है श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के नये आजीवन सदस्यों का

निर्मल कुमार झांझरी, जिनेन्द्र टावर, ओल्ड डेली मार्केट, डीमापुर (नागालैंड) मोबा. 9436018811

रविन्द्र सुमतीसा खडकपूरकर अहिंसा मार्ग, वार्ड नं. 5, मु. पो. देवगांवराज, जिला बुलढाणा - 443204 मो. 9423145095

आपने रुपये 11,000/- प्रदान कर 'श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा' की 'आजीवन सदस्यता' ग्रहण की है जिसके लिये महासभा परिवार आपका हृदय से आभारी है।

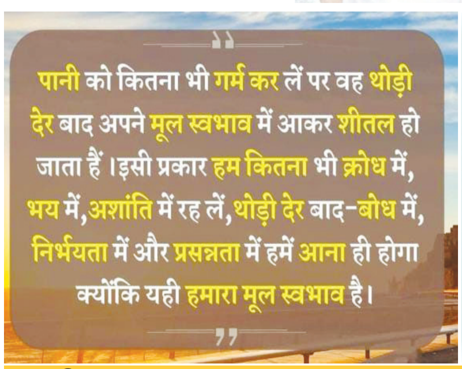

पंजीकृत समाचार पत्र
R.N.I. NO. 59665/92

Posted at R. M. S, Char bagh, Lko. on Every Monday, wednesday and thursday

डाक पंजीयन संख्या :
SSP/LW/NP/115/2021-2023

From-
If Undelivered Please Return To : Publisher- Jain Gazette C/o Sri Nandishwar Flour Mills Compound, Mill Road, Aish bagh, Lucknow - 226004 (U. P.) (INDIA) Mob. 7880978415, 9415108233, 7505102419 **Web site-** Jaingazette.com
email- jaingazette2@gmail.com **whatsapp** 7607921391

To,

एक प्रति का मूल्य 3/- रुपये (कार्यालय से लेने पर)
वार्षिक सदस्यता शुल्क 300/-, दस वर्षीय आजीवन शुल्क 2100/-
(डाक/कोरियर से मंगाने पर खर्च अतिरिक्त देय होगा)

Printed and published by SUDHESH KUMAR JAIN on behalf of SHRI BHARATVARSHIYA DIGAMBAR JAIN MAHASABHA and printed at The Indian Express Pvt. Ltd. C 26 Amousi industrial area Lucknow Uttar pradesh and published at Nandishwar Flour Mills Compound, Mill Road, Aish Bagh, Lucknow-226004 Uttar pradesh Editor- KAPOOR CHANDRA PATNI

जैन गज़ट संबंधी सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा। लेखक के विचारों से संस्था या सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।